PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 11 ● भिलाई, शनिवार 25 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

हर विषय की जांच को तैयार सरकार दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई- नितिन नबीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा है कि सरकार हर विषय की निष्पक्ष जांच कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि किसी भी मामले में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान नितिन नबीन ने कहा कि सरकार त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था लाने की दिशा में काम कर रही है, ताकि मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके और दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिले। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री कोई संकल्प लेते हैं तो उसे पूरा करने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती है। उनके अनुसार, सरकार न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावी बनाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संकल्पबद्ध है।

छात्रों के हित सर्वोपरि, दोषियों को मिलेगी कड़ी सजा-सुधांशु

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) छात्रों से जुड़े मुद्दों और शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर चर्चा के पक्षधर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस विषय पर सदन में चर्चा से बच रहा है। संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भाजपा और एनडीए सांसदों ने संसद के बाहर छात्रों से जुड़े मुद्दों, विशेषकर नीट और शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा की मांग उठाई। उनके अनुसार, सरकार छात्रों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया पर दिए गए संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि छात्रों के हितों से बढ़कर कुछ नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। भाजपा सांसद ने बताया कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का निर्णय लिया गया है, ताकि मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके।

बेंगलुरु के पीजी में संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर विस्फोट, पश्चिम बंगाल के 9 प्रवासी श्रमिक झुलसे

बेंगलुरु । कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में सुबह एक पीजी आवास में संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर विस्फोट होने से पश्चिम बंगाल के नौ प्रवासी श्रमिक घायल हो गए। घायलों में छह की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, घटना हेब्बागोडी थाना क्षेत्र के बोम्मासंद्रा स्थित एक पीजी में हुई।

पेपर लीक पर मोदी सरकार का प्लान डिकोड

दस साल की कैद और एक करोड़ रूपए जुर्माना-पीएम

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीट पेपर लीक समेत अन्य परीक्षाओं के पेपर लीक को लेकर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 35 दिन से धरने पर है। सोनम वांगचुक ने सरकार से आश्वासन मिलने के बाद 26 दिन बाद अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। पेपर लीक पर मचे महासंग्राम के बीच पीएम मोदी ने वीडियो संदेश जारी सख्त कानून बनाने की बात कही है। मोदी सरकार ने पेपर लीक के खिलाफनया कानून बनाने पर काम भी शुरू कर दी है। नये कानून में 10 साल की कैद और 1 करोड़ तक जुर्माना का प्रावधान रखा जा सकता है। नए संशोधन के बाद पेपर लीक में दोषी पाए जाने के बाद 10 साल तक कैद हो सकती है। जबकि 1 करोड़ तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा मुकदमों की तेज़ी से सुनवाई के लिए फ़ास्ट-ट्रैक कोर्ट को ज़्यादा अधिकार दिए जा सकते हैं। चलिए हम यहां बिल का पूरा प्लान समझते हैं:- सूत्रों के मुताबिक पेपर लीक को लेकर सरकार पहले जो बिल लाई थी, उसी में संशोधन कर प्रावधानों को और कड़ा कर सकती है। मोदी सरकार इसके लिए 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024' में संशोधन लाने की योजना बना रही है। नए संशोधन के बाद पेपर लीक में दोषी पाए जाने के बाद 10 साल तक कैद हो सकती है। जबकि 1 करोड़ तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। सरकार मानसून सत्र के दूसरे हफ़्ते में 'परीक्षा संशोधन बिल' लाने की तैयारी कर रही है। पीएम मोदी ने छात्रों के प्रदर्शन को लेकर गुरुवार देर रात वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा, 'पेपर लीक घटना से अब तक पिछले ढाई महीनों में कई असरदार कदम उठाए गए हैं। मैंने आज विभागों को फ़ास्ट-ट्रैक कोर्ट के लिए विभागों को निर्देश दिए थे। विभागों ने मुझे देर रात प्रस्ताव दे दिया। इस प्रस्ताव पर कल कैबिनेट में चर्चा होगी। कैबिनेट के साथियों के सुझावों के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। सोमवार से संसद का दूसरा हफ़्ता शुरू हो रहा है, इसलिए उस बिल को जल्द से जल्द सदन में पारित कराने का प्रयास जाएगी। क्या-क्या हो सकते हैं नए संशोधन प्रस्तावित सज़ा को 3-5 साल की जेल से बढ़ाकर 5-10 साल किया जा सकता है। कम से कम जुर्माना 10 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़ किया जा सकता है। मुकदमों की तेज़ी से सुनवाई के लिए फ़ास्ट-ट्रैक कोर्ट को ज़्यादा अधिकार दिए जा सकते हैं। विपक्ष ने संशोधनों की ज़रूरत पर सवाल उठाए और कहा कि 2024 का कानून पहले से मौजूद है; साथ ही यह भी पूछा कि इसे कैसे लागू किया जाएगा। सरकार ने बताया कि नीट पेपर लीक मामले में 13 आरोपियों पर 2024 के कानून के

सोनम वांगचुक ने अनशन समाप्त कर दिया, सरकार से मिले तीन लिखित आश्वासन, मानी गईं ये मांगें

नई दिल्ली: नीट पेपर लीक मामले में देशभर के युवाओं में उपजे आक्रोश और राजनीतिक दलों के लगातार प्रदर्शनों के बीच सरकार एक्शन मोड में आ गई है। सुबह से लेकर देर रात तक सरकार ने कई बड़े फैसले लिए और कई घोषणाएं कीं। इसी घटनाक्रम के बीच, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अपने अनशन के 26वें दिन देर रात लगभग 12:30 बजे अपना अनशन समाप्त कर दिया। सोनम वांगचुक ने जानकारी दी कि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह और लद्दाख की एपेक्स बॉडी के शीर्ष नेता उनसे मिलने पहुंचे थे। इससे पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के लगभग 65 सांसदों ने एक पत्र पर हस्ताक्षर करके सोनम वांगचुक से अनशन समाप्त करने का अनुरोध किया था। सांसदों और मंत्रियों ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि नीट पेपर लीक और देश की परीक्षा प्रणाली के मुद्दे पर संसद में चर्चा की जाएगी। सोनम वांगचुक ने बताया कि पिछले दो दिनों से सरकार और उनके बीच बातचीत चल रही थी। वे सरकार से लिखित में आश्वासन चाहते थे, जिसकी वजह से उन्हें दो दिन अतिरिक्त अनशन पर बैठना पड़ा। आखिरकार, सरकार ने उनकी मांगों पर लिखित आश्वासन दे दिया, जिसके बाद उन्होंने अनशन खत्म करने का निर्णय लिया। सोनम वांगचुक के अनुसार, सरकार ने लिखित में ये मांगें स्वीकार की हैं- छात्रों पर नहीं होगी कानूनी कार्रवाई: जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले या 20 जुलाई को संसद चलो मार्च में शामिल होने वाले छात्रों और युवाओं के खिलाफकोई भी कानूनी कार्रवाई या प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी।

सीजेपी ने बैठक में रखी तीन शर्तें

मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सरकार कल तक करे विचार

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीट पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन जारी है। सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। वह पिछले 26 दिनों से नीट पेपर लीक को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे थे। दिल्ली समेत देशभर में विरोध प्रदर्शनों के बीच कॉकरोच जनता पार्टी और सरकार के बीच आज बैठक हुई।सीजेपी ने कहा कि जंतर-मंतर पर उनका विरोध प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते। सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा, 'सरकार से 10 मिनट बातचीत हुई। हमने सरकार के सामने तीन मांगें रखीं। मृत छात्रों के परिजनों को एक करोड़ रुपये मुआवजा मिले। प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर हटे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कोई समझौता नहीं हुआ। कल सरकार से फिर मुलाकात होगी। सरकार ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की हमारी मांग पर कल दोपहर तक का समय मांगा है। हमें उम्मीद है कि सरकार उन्हें जल्द ही हटा देगी। सरकार ने मुआवजे (नीट की तैयारी करने वाले उन छात्रों के परिवारों के लिए जिन्होंने आत्महत्या की) और छात्रों के खिलाफएफआईआर और कानूनी मामले वापस लेने की दो मांगों पर सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।' केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह और कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के बीच एक बैठक हुई। इस बैठक में सीजेपी नेताओं ने सरकार को अपनी लिखित मांगें सौंप दी हैं। दिल्ली के वीपी हाउस में कॉकरोच जनता पार्टी और सरकार के बीच बातचीत शुरू हुई। बैठक में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह शामिल हैं।

महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल

नई दिल्ली। दिल्ली में सीजेपी के 'चलो संसद' प्रदर्शन के दौरान एक महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारने के आरोपों के बाद एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा को जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल की ड्यूटी से हटा दिया गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला दिल्ली हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। 20 जुलाई को कथित परीक्षा अनियमितताओं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के हजारों समर्थक जंतर-मंतर पर जुटे थे। इसी दौरान वायरल वीडियो में एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा एक महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारते हुए दिखाई दिए।

लंदन से सऊदी तक मचा कोहराम

सऊदी के प्रिंस अब्दुल्ला बिन फहद की मौत.....

सऊदी। सऊदी अरब के प्रिंस अब्दुल्ला बिन फहद की मौत हो गई है। लंदन के लग्जरी होटल में ड्रग्स और शराब पार्टी के बाद सऊदी अरब के शाही परिवार के प्रिंस फहद बिन अब्दुल्ला बिन मोहम्मद अल सऊद का शव मिला था। इनके हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही थी। हालांकि ब्रिटेन की कोरोनर कोर्ट में हुई सुनवाई में खुलासा हुआ कि सऊदी अरब के प्रिंस की हत्या नहीं की गई थी। शराब, पार्टी ड्रग्स और डॉक्टर की दवाओं का घातक मिश्रण उनकी मौत का कारण बना। अदालत ने इसे 'मिसएडवेंचर' यानी दुर्घटनावश हुई मौत माना है।

प्रिंस अब्दुल्ला 19 नवंबर को लंदन के केंसिंग्टन स्थित मैरियट होटल में ठहरे थे। वह करीब एक हफ्ते तक वहीं रहे। 24 नवंबर की रात उन्हें आखिरी बार होटल के सीसीटीवी में सिगरेट पीने के लिए बाहर जाते हुए देखा गया था।

अन्ना के रोने का वीडियो वायरल

मौन आंदोलन के दौरान फफक फफक कर रो पड़े अन्ना हजारे

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीट पेपर लीक के विरोध और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी पिछले 34 दिन से दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दे रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के समर्थन में गुरुवार को अहिल्यानगर में दो घंटे का 'मौन आंदोलन' किया। मौन आंदोलन के दौरान अन्ना हजारे फफक-फफकर रोने लगे। अन्ना हजारे की तबीयत ठीक नहीं थी फिर वो इसमें शरीक हुए। वो यहां कुछ देर रुके और फिर चले गए। अन्ना हजारे के रोने का वीडियो का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अन्ना ने अहिल्यानगर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास सुबह 11 बजे अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया और दोपहर एक बजे इसे समाप्त किया। इसके बाद वह इसी जिले में स्थित अपने गांव रालेगण सिद्धि के लिए रवाना हो गए। जाने-माने सोशल एक्टिविस्ट अन्ना हजारे ने दिल्ली में चल रहे स्टूडेंट्स के आंदोलन के सपोर्ट में वाडिया पार्क में गांधी मेमोरियल पर साइलेंट प्रोटेस्ट में हिस्सा लिया।तबीयत खराब होने के बावजूद, हजारे स्टूडेंट्स को अपना मोरल सपोर्ट देने के लिए प्रोटेस्ट में शामिल हुए, लेकिन हेल्थ प्रॉब्लम की वजह से थोड़ी देर बाद ही वे वहां से चले गए। स्टूडेंट्स के साथ सॉलिडैरिटी दिखाते हुए वे इमोशनल भी हो गए। उनके जाने के बाद भी साइलेंट प्रोटेस्ट जारी रहा।

पेपर लीक पर सख्त कानून की वकालत, संबित पात्रा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पेपर लीक के मुद्दे पर सख्त कानून बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कांग्रेस पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बजाय विपक्ष केवल राजनीतिक विरोध में लगा हुआ है। संबित पात्रा ने कहा कि पिछले दो-तीन दिनों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, छात्र प्रतिनिधियों और सोनम वांगचुक के साथ हुई बातचीत में यह बात सामने आई कि पेपर लीक जैसे मामलों पर गंभीर मंथन ।

धर्मेंद्र प्रधान 'अपराधी शिक्षा मंत्री

प्रदर्शन में युवक पर चलाई गई पैलेट गन-राहुल गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। उन्हें हटाया जाना चाहिए। वह हमारी शिक्षा व्यवस्था के पतन के प्रतीक हैं। उन्हें जाना होगा। राहुल गांधी ने कहा, हजारों लोग जो बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं, उसकी वजह वही हैं। उन्हें पद से हटना होगा। 10 जनपथ के बाहर मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, हमने अपनी स्थिति साफकर दी है। छात्रों ने भी अपनी मांग स्पष्ट कर दी है। हम उनकी मांग दोहरा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा, धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। उन्हें हटाया जाना चाहिए। वह हमारी शिक्षा व्यवस्था के पतन के प्रतीक हैं। उन्हें जाना होगा। राहुल गांधी ने कहा, इन छात्रों के माता-पिता ने अपनी मेहनत की कमाई से उन्हें पढ़ने और आगे बढ़ने का मौका दिया है। सरकार को झूठ बोलना बंद करना चाहिए। उसने देश के भविष्य पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं की सिर्फ तीन मांगें हैं। पहली मांग है कि शिक्षा मंत्री को पद से हटाया जाए, जिन्हें छात्र मौजूदा हालात, पेपर लीक और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की स्थिति पैदा होने के लिए जिम्मेदार मानते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी मांग है कि उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, जिन्होंने इन युवाओं पर छर्रे वाली बंदूकें चलाईं और लाठीचार्ज किया।

इधर मोदी सरकार भी अपने मंत्री को बचाने लगा रही पूरा जोर

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़े सीजेपी और विपक्ष, धरना जारी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीट पेपर लीक मामले में कॉकरोच जनता पार्टीऔर विपक्ष लगातार शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अड़े हुए है. पीएम मोदी की ओर से शुक्रवार देर रात को परीक्षा सम्बन्धी सुधारो को लेकर ठोस कदम उठाने की बात कहने के बावजूद दोनों अपनी मांग पर बने हुए हैं. इसी को लेकर विपक्षी दलों के सांसदों ने शुक्रवार को भी संसद में प्रदर्शन किया. कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों ने संसद परिसर में मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. मांग वहीं शिक्षा मंत्री धर्मेंद प्रधान इस्तीफा दो. उधर, जंतर मंतर पर भी कॉकरोच जनता पार्टी का विरोध-प्रदर्शन जारी है. सीजेपी फाउंडर अभिजीत दिपके ने कहा है कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा. सरकार कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दिपके ने कहा, जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते, जंतर-मंतर पर हमारा धरना जारी रहेगा. हमें बहुत राहत मिली है कि सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है, क्योंकि उन्हें 26 दिन से ज्यादा हो गए थे. देश के लिए उनकी जान वाकई बहुत कीमती है. आज केंद्रीय मंत्रियों के साथ होने वाली बैठक पर दिपके ने कहा, बैठक किसी न्यूट्रल जगह पर होगी. धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से कम कुछ भी मंजूर नहीं है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कई अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने शुक्रवार को प्रदर्शनकारी छात्रों के समर्थन और सरकार के विरोध में संसद परिसर में प्रदर्शन किया तथा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्

प्रधान के इस्तीफे की मांग की. संसद के मकर द्वार के निकट आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष और कई अन्य दलों के नेता शामिल हुए. सरकार उन्होंने वी वांट जस्टिस (हमें न्याय चाहिए) के नारे लगाए. सीपीआई एम के सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा, विपक्ष की मांग बहुत स्पष्ट है. हम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा चाहते हैं. उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी जवाबदेही की बात करते हैं, लेकिन उन्होंने एक व्यक्ति को उच्च शिक्षा सचिव बनाया है जिस पर घोटाले का आरोप है. सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जब बीमारी रूट में है तो फ्रूट के इलाज से कोई नहीं माननेवाला. देश में हर समस्या की एक ही जड़ है, जो गई अड़ है. नाम तो सुना होगा बीजेपी. धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की बैठक शुरू होने के कुछ मिनट के भीतर दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई. राज्यसभा का भी यही हाल रहा. कार्यवाही शुरू होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) का जिक्र किया और सभा ने कारगिल संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैन्य बलों के कर्मियों को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी. इसके बाद, विपक्षी सदस्य नीट पेपर लीक मामले को लेकर सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे.

दिल्ली में सभी पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रद्द

दिल्ली के जंतर मंतर पर कॉकरोज जनता पार्टी का आंदोलन जारी है। जिसे देखते हुए पुलिस-प्रशासन की टीम पूरी तरह से मुस्तैद है। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली में अगले आदेश तक सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टी को रद्द कर दिया गया है। यह आदेश सभी रैंक के अधिकारियों के लिए जारी किया गया है। दिल्ली पुलिस की तरफ से जारी आदेश में लिखा है कि मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक कोई भी सामान्य छुट्टी आदि नहीं दी जाएगी। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ने अपने यहां सेवारत कर्मियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। जेएनयू ने एएस पर पोस्ट कर कहा , 'जेएनयू के सभी सदस्यों को सलाह दी जाती है कि वे जिम्मेदारी से काम करें।

शक्ति केन्द्रों में मन की बात से जन-जन तक संवाद का अभियान: प्रज्ञा निर्वाणी

भाजपा शहर मंडल के शक्ति केंद्र क्रमांक 2 की बैठक संपन्न

बालोद। भारतीय जनता पार्टी शहरी मंडल के शक्ति केंद्र क्रमांक 2 की महत्वपूर्ण बैठक लोकतंत्र सेनानी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हृदय नारायण निर्वाणी के निवास पर संपन्न हुई,बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने की,यह शक्ति केंद्र चार वार्डों ङ्क वार्ड क्रमांक 4, 5, 6 एवं 7 को मिलाकर गठित किया गया है। बैठक को संबोधित करते हुए प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल चुनाव जीतने का संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान है,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को राजनीति का आधार बनाया है,अब प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर पहुंचाए और पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाए,उन्होंने कहा कि बूथ ही भाजपा की वास्तविक ताकत है और शक्ति केंद्रों को सक्रिय एवं संगठित बनाकर पार्टी को और अधिक मजबूत किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शक्ति केंद्र के प्रभारी, संयोजक एवं सह-संयोजकों को संगठनात्मक पहचान पत्र (आईडी कार्ड) प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे क्षेत्र में और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के नियमित आयोजन हेतु बूथ वार प्रभारी नियुक्त किए गए,इनमें वार्ड क्रमांक 4 के लिए पिंकी नेमा, वार्ड क्रमांक 5 के लिए दीनानाथ साहू, वार्ड क्रमांक 6 के लिए शिवा पाटिल एवं करण साहू तथा वार्ड क्रमांक 7 के लिए धर्मेंद्र साहू को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, सदस्यता अभियान और जनसंपर्क को लेकर कार्यकर्ताओं ने अपने सुझाव भी रखे,इस अवसर पर शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, नंदकुमार गुप्ता, शिवा पाटिल, किशोर गुप्ता, संदीप यादव, दोहाई वर्मा, राजेंद्र दुबे, चम्पेश्वर वर्मा, पार्षद रवि मुलवानी, हेमेश्वरी साहू, रिंकी खनुजा, निर्भय गोस्वामी एवं जयेंद्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन ने सभी कार्यकर्ताओं ने भाजपा की नीतियों एवं सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुंचाने तथा बूथ एवं शक्ति केंद्रों को अधिक सशक्त बनाने का सामूहिक संकल्प दिलाया..

नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन

दल्लीराजहरा । व्यवहार न्यायालय दल्लीराजहरा (खंडपीठ क्रमांक-07) में 18 जुलाई को परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 से संबंधित मामलों के निराकरण के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में कुल 8 प्रकरण विचारार्थ रखे गए, जिनमें से 4 प्रकरणों का पक्षकारों के बीच आपसी राजीनामा एवं सुलह के माध्यम से सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में अनादरित चेक से संबंधित कुल 7 लाख 88 हजार 506 रुपये की राशि का भुगतान कराया गया। विशेष लोक अदालत की पीठ का गठन पीठासीन अधिकारी श्रद्धा सिंह श्रीवास्तव (विशेष न्यायाधीश, दल्लीराजहरा, जिला बालोद) तथा सदस्य अधिवक्ता राकेश द्विवेदी एवं मनोज प्रताप सिंह के रूप में किया गया। लोक अदालत के सफल संचालन में अधिवक्ता पवन कुमार गोयल, हिंमानी पाण्डेय, जगेन्द्र भारद्वाज, लोकेन्द्र भुआर्य, सुनील नंदी तथा न्यायालयीन कर्मचारी मनीष कुमार दर्रो, राजपाल साहू, खेमराज साहू, मणिशंकर देशमुख, कमलेश्वरी गांवरे एवं हरिश सोनकर का सराहनीय सहयोग रहा। न्यायालय की ओर से बताया गया कि लोक अदालत के माध्यम से विवादों का आपसी सहमति से त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान संभव हो रहा है, जिससे पक्षकारों को शीघ्र न्याय मिलने के साथ समय और धन की भी बचत हो रही है।

जेएनवी एवं एनएमएमएसई परीक्षा की तैयारी को लेकर कार्यशाला आयोजित

गरियाबंद। जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थियों का जवाहर नवोदय विद्यालय एवं राष्ट्रीय साधन सह योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में चयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज जिला स्तरीय कार्यशाला एवं रणनीतिक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के प्रत्येक विकासखंड से 5 जेएनवी एवं 5 एनएमएमएसई विशेषज्ञ शिक्षकों ने सहभागिता की। इन विशेषज्ञ शिक्षकों को अपने-अपने विकासखंड, क्लस्टर एवं विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन, अभ्यास सत्र तथा परीक्षा तैयारी की गतिविधियों का संचालन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई, ताकि जिले के प्रत्येक प्रतिभाशाली विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण तैयारी की सुविधा पहुँच सके। बैठक में जेएनवी प्रवेश परीक्षा के नवीन पाठ्यक्रम का विस्तार से विश्लेषण किया गया। पर्यावरण अध्ययन, गणित, भाषा, मानसिक योग्यता एवं अन्य विषयों की तैयारी के प्रभावी तरीकों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही बदलते परीक्षा पैटर्न के अनुरूप शिक्षण पद्धति एवं अभ्यास सामग्री विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में महासमुंद जिले के वरिष्ठ शिक्षक भोजराज प्रधान ने जेएनवी एवं एनएमएमएसई परीक्षाओं की तैयारी से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने परीक्षा की रणनीति, विषयवार तैयारी, समय प्रबंधन तथा नियमित अभ्यास के महत्व पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उल्लेखनीय है कि उनके मार्गदर्शन में अब तक लगभग 140 विद्यार्थियों का जेएनवी एवं एनएमएमएसई परीक्षाओं में चयन हो चुका है, जो उनकी प्रभावी शिक्षण पद्धति का प्रमाण है। सहायक जिला सांख्यिकी अधिकारी श्याम कुमार चंद्राकर ने बताया कि यदि सभी शिक्षक आपसी सहयोग, समन्वय एवं साझा प्रयास की भावना से कार्य करें तो जिले के अनेक विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। उन्होंने सभी विशेषज्ञ शिक्षकों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक विद्यालय तक गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन पहुँचाने का आह्वान किया। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश चंद्राकर ने सभी पात्र विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि परीक्षा की तैयारी केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहे।

चातुर्मास के पूर्व साध्वीजनों का भव्य मंगल नगर प्रवेश, श्रद्धा और भक्ति से धर्ममय हुआ धमतरी

धमतरी। जैन समाज के परम पावन चातुर्मास महापर्व के शुभारंभ से पूर्व धमतरी नगर आध्यात्मिक उल्लास, श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंग गया। परम पूज्य रत्ननिधि महाराज सा.आदि ठाणा.4 के सान्निध्य में साध्वीजनों का भव्य मंगल नगर प्रवेश अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं, युवक-युवतियां, महिलाएं एवं बच्चे पारंपरिक परिधानों में धर्मध्वज, मंगल कलश एवं जयघोष के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए। पूरे नगर में धर्ममय वातावरण देखने को मिला और श्रद्धालुओं ने जगह.जगह पुष्पवर्षा कर साध्वीजनों का अभिनंदन किया। मंगल प्रवेश यात्रा का शुभारंभ गोल बाजार स्थित श्री आदिश्वर जिनालय से हुआ। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए विभिन्न स्थानों पर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने गुरु भगवंत एवं साध्वीजनों के दर्शन कर वंदन.अभिनंदन किया। अनेक स्थानों पर स्वागत द्वार सजाए गए थे तथा महिलाओं ने मंगल गीतों एवं भक्ति गीतों के साथ साध्वी भगवंतों का स्वागत किया। पूरे मार्ग में महावीर स्वामी की जय, जैन धर्म की जय एवं वंदे गुरुवर के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। यात्रा में शामिल श्रद्धालु हाथों में धर्मध्वज लेकर संयम, अहिंसा, सदभाव और मानवता का संदेश देते हुए आगे बढ़ रहे थे। नगरवासियों ने अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों के बाहर खड़े होकर साध्वीजनों के दर्शन किए और धर्मलाभ प्राप्त किया। अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने आरती, वंदन एवं पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। चातुर्मास आत्मजागरण और आत्मकल्याण का श्रेष्ठ अवसर- रत्ननिधि महाराज सा. चातुर्मास हेतु नगर प्रवेश के अवसर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए परम पूज्य रत्ननिधि श्री जी महाराज सा. ने कहा कि चातुर्मास केवल चार महीनों का धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मा को जागृत करने, जीवन में संयम, तप, त्याग और सदाचार को स्थापित करने का पावन अवसर है। यह समय स्वयं के भीतर झांकने, आत्मचिंतन करने तथा अपने जीवन को धर्ममय बनाने का है। उन्होंने कहा कि आज का मनुष्य बाहरी सुख.सुविधाओं के पीछे दौड़ रहा है। लेकिन वास्तविक सुख आत्मा की शांति में निहित है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, ईर्ष्या और अहंकार को समाप्त नहीं करेगा, तब तक जीवन में सच्ची प्रसन्नता प्राप्त नहीं हो सकती। धर्म हमें इन विकारों से दूर रहकर प्रेम, करुणा, क्षमा, मैत्री और अहिंसा का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देता है। गुरुदेव ने कहा कि चातुर्मास का प्रत्येक दिन आत्मसाधना का दिन है। इन चार महीनों में यदि व्यक्ति नियमित रूप से प्रवचन सुने, स्वाध्याय करे, सामयिक, प्रतिक्रमण, तप, आर्यबिल, उपवास एवं सेवा जैसे धार्मिक कार्यों से जुड़े तो उसका जीवन निश्चित रूप से सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से धर्म को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे अपने आचरण में उतारने का आह्वान किया।

चार माह तक होंगे विविध धार्मिक आयोजन

चातुर्मास के दौरान धमतरी में प्रतिदिन धर्मसभा, प्रवचन, स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण, तप, आराधना, भक्ति, सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई है। बच्चों एवं युवाओं के लिए संस्कार शिविर, धार्मिक प्रतियोगिताएं तथा महिलाओं के लिए विशेष ार्मिक गतिविधियों का भी आयोजन होगा। श्रद्धालुओं के लिए आर्यबिल तप की विशेष व्यवस्था श्री पार्श्वनाथ जिनालय, इतवारी बाजार में की गई है। समाज के वरिष्ठजनों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से इस तप एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया।

समाज ने किया आत्मीय स्वागत

चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र गोलछा ने कहा कि धमतरी नगर के लिए यह अत्यंत सौभाग्य का विषय है कि गुरुदेव एवं साध्वीजनों का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। चातुर्मास के माध्यम से पूरे समाज को धर्म, संयम और संस्कारों के निकट से समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से आगामी चार माह तक आयोजित होने वाले प्रत्येक धार्मिक कार्यक्रम में सहभागी बनने की अपील की। अनुशासन, श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण इस भव्य आयोजन ने पूरे धमतरी नगर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। साध्वीजनों के मंगल नगर प्रवेश के साथ ही धमतरी में चातुर्मास की धार्मिक गतिविधियों का विधिवत शुभारंभ हो गया और अब आगामी चार माह तक नगर में संयम, तप, स्वाध्याय, प्रवचन और आध्यात्मिक साधना का वातावरण निरंतर बना रहेगा। मंगल प्रवेश अवसर पर जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष विजय गोलछा, चातुर्मास समिति के अध्यक्ष विरेंद्र गोलछा, सचिव पूनम गोलछा, सतीश नाहर, अमित लोढ़ा, सुरेश गोलछा, कविंद्र लुंकड़, संजय छाजेड़, मनीष बरड़िया, रिखब दुग्गड़, हीरालाल बच्छावत, विजय दुग्गड़, विनय पारख, धनराज लूनिया, गोल्डी बैद, कुशल चोपड़ा, संपत गोलछा, लक्ष्मीचंद दुग्गड़, कुशल पारख, विमल पारख, रोशन नाहर सहित भारी संख्या में धर्मनिष्ठ श्रावक सम्मिलित हुए।

गरीब परिवार की दो मेधावी बेटियों को मिला उच्च शिक्षा का अवसर मंत्री टंक राम वर्मा के प्रयास से रायपुर कॉलेज में हुआ प्रवेश

तिल्दा-नेवरा। तिल्दा नेवरा विकासखंड के समीप स्थित ग्राम पंचायत सरोरा की दो प्रतिभाशाली छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा का सपना अब साकार हो गया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाली इन दोनों छात्राओं ने अपनी पढ़ाई जारी रखने की इच्छा और पारिवारिक परिस्थितियों से ग्राम पंचायत सरोरा की सरपंच उमेश्वरी विश्राम साहू को अवगत कराया। छात्राओं की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सरपंच ने तत्काल पहल की और उनकी पूरी जानकारी छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा तक पहुंचाई। जानकारी के अनुसार, सरोरा निवासी प्रभा साहू, पिता दीनदयाल साहू और पायल बंजारे, पिता भागीरथी बंजारे ने हाल ही में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्रमशः 94.4 प्रतिशत और 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। दोनों छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने परिवार का बल्कि पूरे ग्राम पंचायत सरोरा का नाम भी गौरवान्वित किया है। हालांकि आर्थिक अभाव के कारण उनके सामने आगे की पढ़ाई जारी रखना चुनौती बन गया था।

सरपंच उमेश्वरी विश्राम साहू ने छात्राओं की प्रतिभा और उनकी परिस्थितियों को देखते हुए कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा से संपर्क कर उन्हें पूरी स्थिति से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को समझते हुए मंत्री ने तत्काल रायपुर स्थित कॉलेज प्रशासन से दूरभाष पर चर्चा की और दोनों छात्राओं के प्रवेश की व्यवस्था कराने का आग्रह किया। मंत्री के त्वरित हस्तक्षेप के बाद दोनों छात्राओं का कॉलेज में प्रवेश सुनिश्चित हो गया, जिससे उनके उच्च शिक्षा प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त हो गया। इस पहल से छात्राओं और उनके परिजनों में खुशी का माहौल है। ग्राम पंचायत सरोरा के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों ने मंत्री टंक राम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से दो मेधावी बेटियों का भविष्य सुरक्षित हुआ है। ग्रामीणों का मानना है कि प्रतिभा को उचित अवसर मिलने से ही समाज और प्रदेश का विकास संभव है। ग्रामीणों ने सरपंच उमेश्वरी विश्राम साहू की संवेदनशील पहल की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और जनहित के प्रति समर्पित सोच से जरूरतमंद विद्यार्थियों को समय पर सहायता मिल सकती है। सरोरा की इन दोनों बेटियों की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी और यह संदेश देगी कि कठिन परिस्थितियां भी मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन के सामने बाधा नहीं बन सकती है।

44 छात्राओं को मिली साइकिल, पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

तिल्दा/सिमगा। सिमगा विकासखंड के ग्राम नवागांव स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में शासन की सरस्वती साइकिल योजना के तहत कक्षा 9वीं की 44 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। इस योजना का उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना तथा उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में अतिथियों ने छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी। साइकिल प्राप्त कर छात्राओं के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम में जनपद सदस्य चंद्रप्रकाश टोण्डे, सरपंच नीरा कोसल, उपसरपंच शिवप्रसाद साहू, प्राचार्य करण सिंह हरबंस, रमेश साहू, सुमन साहू, बसंत उपाध्याय, सुशीला साहू, कौशल्या साहू सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालकगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूकता बढ़ना रहा।

अग्रवाल महिला मंडल के तत्वाधान में सावन एक्जीबिशन का आयोजन

सरायपाली। सावन एक्जीबिशन का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला में संपन्न किया गया। इस एक्जीबिशन में लड्डू गोपाल की पोशाक, इमीटेशन ज्वेलरी, राखियाँ, इंडियन. वेस्टर्न ड्रेसेस, बैग, भृभृंगार सामग्री, गिफ्ट आइटम एवं टैम्पर सहित अन्य विविध प्रकार की सामग्री का अनूठा संग्रह देखने को मिला विभिन्न स्थानों से आए 25 स्टाल्स का नगर वासियों ने भरपूर लाभ उठाया। इस भव्य एक्जीबिशन का उद्घाटन नगरपालिका अध्यक्ष सरस्वती चंद्र कुमार पटेल के द्वारा अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं सभा के अन्य पदाधिकारी नवयुवक संघ पदाधिकारी एवं अग्रवाल महिला मंडल अध्यक्ष कुसुम अग्रवाल, उपाध्यक्ष मोनी अग्रवाल एवं ललिता अग्रवाल सचिव प्रतिभा गोयल, सहसचिव रिया अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शिखा अग्रवाल, सहसचिव रिया सांस्कृतिक सचिव शारी अग्रवाल एवं शारी अग्रवाल (लंदन किड्स) की उपस्थिति मे किया गया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सामाजिक जन का विशेष सहयोग रहा।

नये कप्तान के प्रभार संभालते ही विभाग के लोगों में नई स्फूर्ति का हुआ संचार

धमतरी। पिछले कुछ महीनों से पुलिस विभाग में यहां पदस्थ अधिकारी, कर्मचारियों में काफी तनाव देखा जाता था जिसका मुख्य कारण इन्हें स्नेहिल वातावरण नहीं मिल पा रहा था। लेकिन कुछ दिनों से यह वातावरण बदला-बदला सा नजर आ रहा है और पुलिस विभाग के समस्त अधिकारी, आरक्षक, अपराधों को लेकर काफी सतर्क होकर कार्य कर रहे है और यह परिवर्तन जबसे नये पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय ने पदभार संभाला है, तबसे लेकर समूचे जिले में पुलिसिंग काफी चुस्त-दुरूस्त नजर आ रही है। संदेहास्पद राहगीरों, निवासियों, अड्डेबाजी करने वालों की खोज-खबर की जा रही है। शराब, जुआ, सट्टा को लेकर पतासाजी की जा रही है। पूर्व में ऐसे अधिकारी, कर्मचारी तनाव में देखे गये थे जिसका कारण अपने वरिष्ठों का स्नेहिल सहयोग नहीं मिल पाया। लेकिन अब अधिकारी के बदलते ही इनमें एक नई स्फूर्ति का संचार हुआ है और ये सभी अपने अधिकारी के निर्देशन पर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर रहे हैं। यही नहीं जिलेवासियों की काफी लंबे समय से की जा रही मांग जिसमें कुछ महत्वपूर्ण थानों की जिम्मेदारियां प्रभारियों के कंधों पर थी, वहां नये एसपी ने निरीक्षकों की नियुक्ति कर जिलेवासियों की इस मांग को तत्काल गंभीरता से लिया। बढ़ते सायबर अपराध को देखते हुए सायबर सेल के लिये अलग से निरीक्षक की नियुक्ति की गई है। नये कप्तान के प्रभार संभालते ही विभाग में हुए नये बदलाव एवं जिम्मेदारियों से विभाग के लोगों में नई स्फूर्ति का संचार हुआ है और वे पूरे मन से अपने दायित्वों का निर्वहन करने में जुट गये हैं। पुलिस विभाग एक ऐसा विभाग है जहां अधिकारियों के मार्गदर्शन, स्नेहिल सहयोग, अपराधों में रोकथाम के लिये किये जा रहे उपाय को लेकर जिले के नागरिक आशान्वित होते हैं क्योंकि इनके जान-माल की हिफाजत करना विभाग का प्रमुख कर्तव्य है। लेकिन पिछले कुछ महीनों से अधिकारी-कर्मचारियों में खासी उदासीनता देखी जा रही थी। कुछ कर्मियों की बातचीत के माध्यम से पता चला था कि धमतरी जिले में पदस्थ एक वरिष्ठ अधिकारी के रवैये से इनमें खासी नाराजगी थी। कुछ लोग उक्त अधिकारी के रवैये से बीपी, हाइपरटेंशन से पीड़ित होकर अस्पतालों का चक्कर काट रहे थे। कुछ लोग मंदिरों में जाकर अपनी सुरक्षा और शांति की मांग कर रहे थे। यही नहीं जिलेवासियों में भी एक नाराजगी देखी जा रही थी कि थाना प्रभारी के रहते हुए कुछ थाना, चौकियों में एएसआई को कमान सौंपी गई थी। सायबर सेल में भी ऐसी व्यवस्था की गई थी जिसके कारण पीड़ित पक्षों की रिपोर्ट देरी से दर्ज की जाती रही। इसका खामियाजा शहरवासियों को उठाना पड़ता था। लेकिन अब नये पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय ने पदभार संभालने के बाद पुलिस विभाग में निरीक्षकों को बाहर निकालते हुए उन्हें मुख्य थानों का प्रभारी बनाया है जिससे जिलेवासियों में प्रसन्नता देखी गई है। अब इनका मानना है कि जिले में अब घटित अपराध की तत्काल रिपोर्ट दर्ज होगी और आरोपी भी पकड़े जायेंगे। जिले में पदभार संभालते ही पुलिस अधीक्षक पांडेय ने विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर उनसे जिले की वर्तमान स्थिति एवं उनके दुख एवं चिंता की जानकारी ली और उन्हें आश्वस्त किया कि आप लोग सभी दिल लगाकर अपने कर्तव्य का पालन करिये। इसके पश्चात उन्होंने पत्रकारों को आमंत्रित किया और उनसे जिले में समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। उपस्थित पत्रकारों ने जिन-जिन समस्याओं से उन्हें अवगत कराया, उसे उन्होंने गौर से सुना और सभी को आश्वस्त किया कि जो-जो समस्याएं आपने बताई है, उस पर त्वरित कार्यवाही प्रारंभ की जायेगी। पत्रकार वार्ता के बाद उन्होंने जिले का भ्रमण कर जहां-जहां खामियां दिखीं, उसे दूर करने का निर्देश दिया। विभिन्न जानकारियों को उन्होंने गंभीरता से लेते हुए आगामी दिनों में इस पर भी कार्यवाही करने की बात कही है। विभाग में अधिकारी के मिले इस स्नेहिल वातावरण को देखकर सभी अधिकारियों ने कदम से कदम मिलाकर चलने और जिले को अपराध मुक्त बनाने का अभियान प्रारंभ कर दिया है। किसी भी समस्या के लिये पत्रकारों को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र कुमार पांडेय से संपर्क करने की बात कही है। विशेष परिस्थिति में उनसे भी मिलने की बात दोहराई है। जबसे उन्होंने पदभार संभाला है तबसे अधिकारी, आरक्षकों द्वारा गश्त में तेजी, खातायात की व्यवस्था सुदृढ़ एवं सट्टा, जुआ, शराब, अड्डेबाजी, सूखा नशा जैसे अपराधों में भी कमी देखी गई है जिसकी शहर में सर्वत्र चर्चा है।

धर्म की धरती पर संयम, त्याग, तपस्या का लिखा जाएगा फिर एक नया अध्याय : विजय मोटवानी

धमतरी। शहर में चतुर्मास के लिए विहार करते जैन साध्वी जनों रत्ननिध म.स. एवं अन्य साध्वियों का नगर में मंगल प्रवेश करने के पश्चात बालक चौक स्थित जैन मंदिर से धर्ममय वातावरण में शोभायात्रा इतवारी बाजार स्थित मंदिर के लिए निकाली गई। जैन समाज की शहर में निकली इस दिव्य एवं आध्यात्मिक शोभायात्रा का स्वागत करने के लिए मठ मंदिर चौक में नगर निगम के पूर्व सभापति राजेंद्र शर्मा, निगम लोक निर्माण विभाग के अध्यक्ष विजय मोटवानी, पार्षद कुलेश सोनी, कोमल सार्वा, पिन्टू यादव, पप्पू सोनी, राहुल सोनी, समाजसेवी प्रमुख रूप से उपस्थित है। इन सभी ने साध्वीजनों से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए शहर के लिए इस गौरवशाली क्षण बताया। विजय मोटवानी ने कहा है कि धर्म की नगरी में त्याग, तपस्या एवं संयम का नूतन अध्याय इस चातुर्मास में जुड़ गया है, जो निश्चित ही क्षेत्र की सुख शांति एवं समृद्धि को मजबूती प्रदान करेगी।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा प्रदेश महामंत्री, संभाग प्रभारी और सह प्रभारियों की बैठक संपन्न

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में बुधवार को भाजपा प्रदेश महामंत्री, संभाग प्रभारी एवं सह प्रभारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी और डॉ. नवीन मार्कण्डेय सहित पांचों संभागों के प्रभारी एवं सह प्रभारी उपस्थित रहे।प्रदेश भाजपा के प्रकोष्ठों के संयोजक और सह-संयोजकों की बैठक भी हुईइसी क्रम में भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के संयोजक एवं सह-संयोजकों की बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, समस्त प्रकोष्ठ प्रभारी अवधेश चंदेल और सह प्रभारी चुन्नीलाल साहू मौजूद रहे।बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने सभी प्रकोष्ठों के संयोजक एवं सह-संयोजकों को उनके नवीन दायित्व के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि संगठन के कार्यों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की दिशा में प्रभावी ढंग से काम करना होगा। साथ ही पार्टी की ओर से सौंपे गए दायित्वों को निर्धारित समय पर पूरा करने और प्रकोष्ठों को और अधिक मजबूत बनाने के लिए उनका विस्तार करने पर जोर दिया।बैठक में भाजपा के सभी प्रकोष्ठों के संयोजक एवं सह-संयोजक उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के प्रदर्शन से बौखलाए भाजपाइयों ने किया कांग्रेस कार्यालय का घेराव-बैज

रायपुर। बीजेपी के कांग्रेस कार्यालय घेराव को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में हुई घटना के विरोध में राहुल गांधी के प्रदर्शन से बौखलाकर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया। बैज ने इस घटना को प्रदर्शन नहीं बल्कि कांग्रेस कार्यालय पर हमला और आक्रमण करार दिया। दीपक बैज ने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता हाथों में लाठी, डंडे और पत्थर लेकर कांग्रेस कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंके गए। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि बीजेपी के प्रदर्शन में छह-छह मंत्री शामिल होते हैं। मंत्रियों की जिम्मेदारी कानून-व्यवस्था बनाए रखने की होती है, लेकिन वे खुद ही उकसाऊ भाषण दे रहे थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बैज ने पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पूरी घटना के दौरान पुलिस मूकदर्शक बनी रही। कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। बीजेपी का यह प्रदर्शन नहीं था, बल्कि कांग्रेस कार्यालय पर हमला था। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की कड़ी निंदा की है।

राहुल गांधी का आचरण लोकतांत्रिक गरिमा के प्रतिकूल -मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री आवास के बाहर किए गए प्रदर्शन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास के बाहर जिस प्रकार का आचरण किया गया, वह लोकतांत्रिक मर्यादा के प्रतिकूल और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से इस तरह के राजनीतिक स्टंट की अपेक्षा नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हश्वश्वञ्च पेपर लीक जैसे मामले को लेकर केंद्र सरकार शुरू से ही गंभीर रही है। दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं पेपर लीक को पाप बता चुके हैं और परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा दोबारा पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित की गई और उसका परिणाम भी घोषित हो चुका है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मुद्दे की आड़ में कुछ युवाओं को आगे कर देश में अराजकता का माहौल बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास के बाहर विपक्ष द्वारा किया गया यह कृत्य लोकतंत्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है और देश की जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी।

कांकेयर' ब्रांड बनी ग्रामीण महिलाओं की पहचान, जैविक उत्पादों की बढ़ रही मांग

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत महिला स्वसहायता समूहों द्वारा तैयार 'कांकेयर' ब्रांड तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। यह ब्रांड कांकेर जिले की ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, आत्मनिर्भरता और गुणवत्तापूर्ण प्राकृतिक उत्पादों का प्रतीक बनकर उभर रहा है। 'कांकेयर' ब्रांड के तहत सरसों तेल, अरहर दाल, छिंद गुड़, शहद, रागी, कोदो, मक्का और आम का अचार सहित विभिन्न जैविक एवं प्राकृतिक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं।

महतारी वंदन योजना से माताओं और बहनों का बढ़ा आत्मविश्वास

अमलीपदर की रथयात्रा आस्था और संस्कृति की अमूल्य धरोहर

■ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

रायपुर/ संवाददाता

अमलीपदर की ऐतिहासिक रथयात्रा छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। भगवान श्री जगन्नाथ सबको साथ लेकर चलने और लोककल्याण का संदेश देते हैं। महाप्रभु का आशीर्वाद प्रदेशवासियों पर सदैव बना रहे, यही उनकी प्रार्थना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज गरियाबंद जिले के अमलीपदर में आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ की ऐतिहासिक रथयात्रा महापर्व को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज रथयात्रा महोत्सव में शामिल हुए और भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा, राजिम विधायक श्री रोहित साहू, छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष श्री राजीव लोचन महाराज सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार विकास और जनकल्याण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना की अंतिम तिथि, जो जून माह तक निर्धारित थी, उसे उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीन माह बढ़ाकर सितंबर तक कर दिया गया है। उन्होंने लोगों से इस योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार आम नागरिकों पर आर्थिक बोझ कम करने और उन्हें राहत प्रदान करने के लिए संवेदनशीलता के साथ निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इस योजना के माध्यम से प्रतिमाह पात्र महिलाओं के बैंक खातों में सीधे राशि अंतरित की जा रही है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और परिवार की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्त होना विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत आधारशिला है और राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए चौबीसों घंटे कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है तथा वे स्वयं प्रतिदिन शिकायतों की समीक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 42 हजार से अधिक शिकायतों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है, जो सुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बाल्टीजोर नाले पर पुल निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पुल बनने से क्षेत्र के लोगों को वर्षभर सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में बड़ी राहत मिलेगी। रथयात्रा के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपना काफिला रोककर सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थियों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई, भविष्य की योजनाओं और विद्यालय की गतिविधियों के बारे में बातचीत की। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके आग्रह पर बच्चों के साथ आत्मीयता से सेल्फी भी खिंचवाई। मुख्यमंत्री का यह सहज और स्नेहपूर्ण व्यवहार उपस्थित लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

द्रोणिका और ऊपरी हवा के चक्रवाती तंत्र के सक्रिय.....

■ कई मुख्य मार्गों पर पानी भरने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित

रायपुर। संवाददाता

प्रदेशभर में मानसूनी बारिश ने एक बार फिर विकराल और व्यापक रूप ले लिया है। द्रोणिका और ऊपरी हवा के चक्रवाती तंत्र के सक्रिय होने से बीते तीन दिनों से प्रदेशभर में लगातार बारिश हो रही है। उत्तर छत्तीसगढ़, बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर संभाग के ज्यादातर इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई है। बारिश के कारण नदियां, नाले और बांध उफान पर हैं, जबकि निचली बस्तियों और कई मुख्य मार्गों पर पानी भरने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 5 दिनों तक मानसून के सक्रिय रहने की संभावना है, जिससे कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने हिदायत दी है कि बारिश और बिजली चमकने के दौरान खुले में या पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें। उफनते नदी-नालों, रपटों और निचले रास्तों को पार करने का जोखिम न उठाएं। रायगढ़ जिले में पिछले 24 घंटे में 13 सेमी बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश से केलो नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया, जिसके कारण एहतियात के तौर पर केलो बांध के 5 गेट खोलकर 170 से 180 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। केलो परियोजना के ईई मनीष गुप्ता ने बताया कि जलभराव बढ़ने पर और गेट खोले जा सकते हैं। हसदेव और महानदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सक्ती मार्ग पर जमड़ी नाला उफान पर आने से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रुक गई है। जैजैपुर क्षेत्र में भी अधिकांश नदी-नाले सड़कों के ऊपर से बह रहे हैं। पिछले 6 दिनों से लगातार हो रही बारिश से गरियाबंद, रायपुर और धमतरी को जोड़ने वाला त्रिवेणी संगम जलमग्न हो गया है। प्राचीन कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर चारों ओर से पानी से घिर गया है।

बारिश से बगीचा-बतौली मार्ग पर कीचड़ और गड्ढों की समस्या, पीडब्ल्यूडी ने मरम्मत के दिए निर्देश

रायपुर। बगीचा-बतौली मार्ग पर बारिश के दौरान कीचड़ और गड्ढों की वजह से ग्रामीणों को हो रही परेशानी को लेकर प्रकाशित खबर के बाद लोक निर्माण विभाग ने स्थिति स्पष्ट की है। विभाग के अनुसार बतौली-बगीचा मार्ग का निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। लोक निर्माण विभाग जशपुर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अचानक हुई बारिश के कारण निर्माणाधीन सड़क के कुछ हिस्सों में कीचड़ और गड्ढों की समस्या उत्पन्न हुई है। विभाग ने खराब हिस्सों की तत्काल मरम्मत कराने के लिए संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया है। विभाग के अनुसार, ठेकेदार द्वारा सड़क के खराब हिस्सों की मरम्मत का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

राज्य स्तरीय कार्यशाला में विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

केयर इकोनॉमी विकसित छत्तीसगढ़ की आधारभूत आवश्यकता-लक्ष्मी

■ नशामुक्त समाज और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान का लिया संकल्प

रायपुर/ संवाददाता

समाज कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा रायपुर में सुचारु एवं सशक्त केयर इकोनॉमी के निर्माण विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग की सचिव श्रीमती शहला निगार, संचालक श्री रणवीर शर्मा, राज्य आयुक्त दिव्यांगजन श्री रामजीवन देवांगन सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, विषय विशेषज्ञ, विकास सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि केयर इकोनॉमी केवल सामाजिक कल्याण नहीं, बल्कि विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की आधारभूत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वृद्धजन, दिव्यांगजन, महिलाओं और बच्चों के लिए सम्मानजनक, सुरक्षित एवं समावेशी व्यवस्था तैयार करना समय की आवश्यकता है। केयर सेक्टर में निवेश से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, महिलाओं की कार्यभागीदारी सशक्त होती है और समाज अधिक संवेदनशील एवं समावेशी बनता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ष्विकसित भारत /2047 के संकल्प तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा, दिव्यांगजन कल्याण, वृद्धजन सेवाओं, पुनर्वास, कौशल विकास तथा महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से संचालित कर रही है।

---

400 से अधिक सूकरों के साथ ग्रेसी ने लिखी सफलता की नई इबारत.....

■ बीएससी एग्रीकल्चर ग्रेजुएट युवती ने सरकारी सहायता से स्वरोजगार को बनाया सफलता की मिसाल

रायपुर/ संवाददाता

सूकर पालन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक तेजी से उभरता हुआ और अत्यधिक लाभदायक स्वरोजगार है। कम लागत, उच्च प्रजनन क्षमता और मांस की लगातार बढ़ती मांग के कारण, यह लाखों युवाओं और किसानों के लिए स्थायी आय का एक प्रमुख साधन बन गया है। सूअर अन्य पशुओं की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ते हैं। मादा सूअर एक बार में 8 से 12 बच्चों (पिगलेट्स) को जन्म देती है, जो 45 से 60 दिनों में बेचने लायक हो जाते हैं। छत्तीसगढ़ में कई युवा अपनी पारंपरिक या सामान्य नौकरियां छोड़कर आधुनिक तरीके से सूकर पालन कर सालाना लाखों-करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। बस्तर के युवाओं में अब पारंपरिक रोजगार से आगे बढ़कर आधुनिक कृषि एवं पशुपालन आधारित उद्यमों की नई सोच विकसित हो रही है। इसी सोच को साकार करते हुए बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड के किंजोली गांव की रहने वाली बीएससी एग्रीकल्चर स्नातक ग्रेसी दुग्गा ने पशु चिकित्सा विभाग के सहयोग से एक करोड़ रुपये से अधिक लागत की आधुनिक सूकरपालन परियोजना स्थापित कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। आज उनका फार्म न केवल सफल व्यावसायिक मॉडल बन चुका है, बल्कि पूरे बस्तर क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र भी बन गया है। ग्रेसी दुग्गा ने वर्ष 2023 में उत्तराखंड के देहरादून से बीएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए आगे बढ़ने के बजाय उन्होंने व्यावहारिक ज्ञान का उपयोग करते हुए कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में उद्यम स्थापित करने का निर्णय लिया। उन्होंने पारंपरिक व्यवसायों के बजाय सूकरपालन को चुना, क्योंकि बस्तर क्षेत्र में इसकी मांग लगातार बढ़ रही थी, जबकि व्यावसायिक स्तर पर इस क्षेत्र में बहुत कम लोग कार्य कर रहे थे। भारत सरकार सूकर पालन को बढ़ावा देने के लिए नेशनल लाइवस्टॉक मिशन जैसी योजनाएं चला रही है।

रायपुर में अपराध पर पुलिस की कार्रवाई तेज, मारपीट-चोरी और अवैध हथियार के कई मामले दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बीते दिनों मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, वाहन चोरी और अवैध हथियार रखने के कई मामले सामने आए हैं। पुलिस ने विभिन्न मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं खम्हारडीह पुलिस ने नशीली गोलियों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि तेलीबांधा और सिविल लाइन थाना क्षेत्र में अवैध चाकू और तलवार बरामद कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। मारपीट और धमकी के मामले: खमतराई थाना क्षेत्र में उधार पैसे के लेन-देन को लेकर विवाद में मारपीट और स्कूटी की हेडलाइट तोड़ने का मामला दर्ज हुआ। पुरानीबस्ती, कबीरनगर, टिकरापारा, आजाद चौक, मोवा और गंज थाना क्षेत्रों में भी अलग-अलग विवादों में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने की शिकायतें दर्ज की गईं। टिकरापारा क्षेत्र में घरेलू विवाद को लेकर पति द्वारा महिला से मारपीट का मामला भी सामने आया। वाहन और सामान चोरी: सिविल लाइन थाना क्षेत्र में टाउन हॉल के पास से एक्टिवा, गंज थाना क्षेत्र में केंद्रीय जेल परिसर से बजाज प्लेटिना और पुरानीबस्ती क्षेत्र में तिरंगा चौक से एक्टिवा चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज हुई।

माँ चन्द्रहासिनी आरोग्य धाम बनेगा जनसेवा का नया केंद वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी

■ अस्पताल को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने का दिलाया भरोसा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में हरसंभव सहयोग का आश्वासन

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने आज सक्ती जिले के चंद्रपुर स्थित चन्द्रहासिनी विद्यापीठ परिसर में माँ चन्द्रहासिनी आरोग्य धाम का विधिवत भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि यह बहुउद्देशीय चिकित्सालय क्षेत्रवासियों को आधुनिक, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो आने वाले समय में जनसेवा का सशक्त केंद्र बनेगा। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि श्री गोपाल जी महाप्रभु एवं माँ चन्द्रहासिनी देवी मंदिर सार्वजनिक न्यास द्वारा शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में लगातार सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। ट्रस्ट के माध्यम से संचालित सीबीएसई विद्यालय ने क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई है और अब आरोग्य धाम की स्थापना समाजसेवा के इस अभियान को नई ऊँचाई देगी। उन्होंने ट्रस्ट के संरक्षक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल, अध्यक्ष श्री गोविंद अग्रवाल तथा सभी न्यासियों को इस जनहितकारी पहल के लिए बधाई दी। वित्त मंत्री ने कहा कि चंद्रपुर माँ चन्द्रहासिनी शक्तिपीठ के कारण पूरे छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्यों के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। इस पवित्र भूमि से उनका वर्षों पुराना आत्मीय संबंध रहा है और प्रशासनिक सेवा के दौरान भी उन्हें इस क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि अस्पताल, विद्यालय और ट्रस्ट से जुड़े किसी भी विकास कार्य में यदि शासन अथवा प्रशासनिक स्तर पर कोई औपचारिक बाधा आती है तो राज्य सरकार हरसंभव सहयोग सुनिश्चित करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े ऐसे कार्यों में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होने दी जाएगी। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि अस्पताल प्रारंभ होते ही उसे आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने की प्रक्रिया प्राथमिकता से पूरी कराई जाएगी, ताकि आसपास के ग्रामीण आयुष्मान कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क एवं बेहतर उपचार का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पताल के विकास और आवश्यक सुविधाओं के लिए शासन स्तर पर हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने चन्द्रहासिनी महोत्सव को व्यापक पहचान दिलाने के लिए भी सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

धमतरी जिले में 200 एकड़ से बढ़ाकर 600 एकड़ तक औषधीय खेती के विस्तार का लक्ष्य

पोटियाडीह में औषधीय खेती से स्व-सहायता समूह महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल....

■ गायत्री-इंदिरा स्व-सहायता समूह को मंत्री कश्यप ने सौंपी 65 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि

रायपुर/ संवाददाता

वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज धमतरी जिले के ग्राम पोटियाडीह का दौरा कर जिला प्रशासन की पहल पर विकसित औषधीय पौधों की खेती और महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित नर्सरी का गहन अवलोकन किया। उन्होंने औषधीय खेती को ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और सतत आजीविका का सशक्त माध्यम बताते हुए समूहों का उत्साहवर्धन किया। धमतरी जिले के लगभग 200 एकड़ क्षेत्र में ब्राह्मी, खस, बच, सिंदूरी एवं शतावरी की खेती की जा रही है। आने वाले चरण में इसका दायरा बढ़ाकर 600 एकड़ तक करने की योजना है। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री कश्यप ने गायत्री-इंदिरा स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद कर उनकी गतिविधियों की जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि वे वर्तमान में लगभग चार एकड़ क्षेत्र में ब्राह्मी और खस जैसी उच्च मांग वाली औषधीय फसलों का उत्पादन कर रही हैं। मंत्री ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए समूह को उत्पादन विस्तार के लिए 65 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने और महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। औषधीय पौधों की बढ़ती मांग को देखते हुए यह क्षेत्र ग्रामीण महिलाओं के लिए स्थायी आय का एक बेहतरीन जरिया बन रहा है। कलेक्टर धमतरी ने बताया कि जिले में अनुपयोगी भूमि का उत्पादक उपयोग करने और महिलाओं को आजीविका से जोड़ने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। जिले के लगभग 200 एकड़ क्षेत्र में ब्राह्मी, खस, बच, सिंदूरी एवं शतावरी की खेती की जा रही है। आने वाले चरण में इसका दायरा बढ़ाकर 600 एकड़ तक करने की योजना है।

संपादकीय

मणिपुर में जब सुरक्षाबल ही खुद को सुरक्षित महसूस न करें, तो आम आदमी का क्या होगा?

मणिपुर में हाल के दिनों में हिंसक घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। पिछले सप्ताह उखरुल जिले में उग्रवादियों के घात लगाकर किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए थे। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के बाद सरकार के फिर से कमान संभालने पर यह माना जा रहा था कि राज्य में स्थायी तौर पर शांति बहाली की दिशा में प्रयास तेज होंगे। मगर इन अपेक्षाओं के विपरीत हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। जातीय संघर्ष से उपजी विरोध की चिंगारी आए दिन हिंसक घटनाओं के रूप में सामने आ रही है। स्थिति यह है कि राज्य में तैनात सुरक्षाबलों को भी अब अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। इसी कारण सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और आवाजाही के लिए रणनीतिक तौर पर बदलाव किए जा रहे हैं।सेनापति जिले में हाल ही में असम राइफल्स के एक शिविर पर भीड़ के हमले के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने अपनी सुरक्षा के लिए करीब सौ बुलेटप्रूफ वाहनों को अपने काफिले में शामिल किया है। ऐसे में सवाल है कि जब सुरक्षाबलों की सुरक्षा को ही खतरा पैदा हो गया है, तो आम लोग खुद को कैसे सुरक्षित महसूस कर पाएंगे? आखिर क्या वजह है कि राज्य में सामाजिक सौहार्द और अमन-चैन कायम करने के प्रयासों में सरकार की इच्छाशक्ति एवं गंभीरता नजर नहीं आ रही है?गौरतलब है कि मणिपुर में हाल के दिनों में हिंसक घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। पिछले सप्ताह उखरुल जिले में उग्रवादियों के घात लगाकर किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए थे। इसके कुछ दिन बाद सेनापति जिले में स्थानीय लोगों की भीड़ ने सैन्य बल के शिविर पर हमला कर वहां आगजनी और तोड़फोड़ की।ये घटनाएं बताती हैं कि राज्य में आम लोगों के असंतोष के बीच उग्रवादी संगठनों की सक्रियता भी बढ़ती जा रही है। हालांकि, कुछ विरोधी संगठनों ने सरकार के साथ समझौता कर शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई है, लेकिन इनसे इतर नए समूह खड़े हो गए हैं, जो अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए हिंसक वारदात को अंजाम देने का कोई मौका नहीं चूकते। राज्य में जटिल होते हालात के पीछे एक कारण यह भी है कि स्थानीय लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हो रहा है। ऐसे में सबसे पहले सरकार की प्राथमिकता यही होनी चाहिए कि आम लोगों में विश्वास बहाली के लिए गंभीरता से प्रभावी कदम उठाए जाएं।

मंदिरों में भ्रष्टाचार: वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

(ललित गर्ग)

भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे।

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है।

भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए।

आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा। याद रखना होगा कि मंदिरों की सबसे बड़ी संपत्ति उनका स्वर्ण, रजत या चढ़ावा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का विश्वास है। यदि विश्वास टूट गया तो सबसे भव्य मंदिर भी अपनी आत्मा खो देगा। इसलिए समय की पुकार है कि मंदिरों को भ्रष्टाचार से मुक्त, दर्शन व्यवस्था को समान, प्रशासन को पारदर्शी और सेवा को मानवीय बनाया जाए। यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी, यही भारतीय संस्कृति का वास्तविक सम्मान होगा और यही वह परिवर्तन होगा जो भारत को केवल आध्यात्मिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक महाशक्ति के रूप में भी स्थापित करेगा। सार्वजनिकनीति (लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गौरवपूर्ण लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा करने का अवसर

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

अमृत महोत्सव के बहाने जिस तरह से सदनों में बहस के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा गरिमापूर्ण, गंभीरता परक, गहन अध्ययन, आलोचना के लिए आलोचना ना होने, तथ्यपरक पक्ष रखने और गंभीर बहस से सदन की गरिमा ही बढ़ेगी और इसका लाभ लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने में मिल सकेगा।

राजस्थान विधानसभा के 75 साल पर अमृत महोत्सव का आयोजन इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि दुनिया में हमारे देष की लोकतंत्र की जड़े सबसे गहरी होने के साथ ही आज भी लोकतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से भारत दुनिया के देषों के सामने एक मिसाल है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल से जिस तरह से 15 जुलाई, 2026 को आयोजित अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में विधानसभा के नए पुराने सदस्यों को एक साझा मंच उपलब्ध कराने और एक दूसरे के अनुभवों को साझा करने का बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराया है वहीं उच्च सदन के सभापति उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अमृत महोत्सव के इस कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र और समापन सत्र में सहभागी बनाकर कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाया है। अमृत महोत्सव में राजस्थान विधानसभा के 410 नए पुराने सदस्यों ने हिस्सा लिया वहीं 6 बार या इससे अधिक समय तक सदस्य रहे सम्माननीयों का सम्मान कर लोकतांत्रिक मूल्यों का ही स्वागत सम्मान किया गया है।

आज जिस तरह से विधायिका की कम बैठकों, सत्रों के दौरान हंगामें के हालात और मतभेद और मनभेद के हालातों में राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव केवल एक आयोजन ना होकर नए विधायकों के लिए प्रेरणास्पद भी हो गया है। अमृत महोत्सव के दौरान राजस्थान में सामाजिक राजनीतिक परिवर्तनकारी 24 कानूनों पर चर्चा भी की गई तो नए पुराने सदस्यों के अनुभवों को साझा करने का भी बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सका है। कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का रिमार्केवल प्रतिक्रिया दी कि चुनाव भले ही वोट के आधार पर जीते जाते हैं पर जनता का दिल तो लोकहितकारी कार्य करके ही जीता जा सकता है। संवैधानिक संस्थाओं की शक्ति गरिमा बनाये रखने में हैं वहीं बहस की गुणवत्ता, गंभीरता और सदन में आचरण की मर्यादा से ही संवैधानिक संस्थाएं मजबूत होती है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला राजस्थान विधानसभा के भी सदस्य रह चुके हैं और उनका मानना रहा कि विधानसभा उनके लिए संस्कारों की पाठशाला रही है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा कि दुश्मनी जमकर करों पर खिड़की भी खुली रखों। इंसानियत राजनीति की लक्ष्मण रेखा से बड़ी होनी चाहिए। उन्होंने स्व. भैरोसिंह शेखावत और स्व. मोहन लाल सुखाड़िया व स्व. भैरोसिंह शेखावत व स्व. हरिदेव जोशी के बीच सदन और सदन के बाहर के संबंधों की चर्चा करते हुए कहा कि संबंधों की लक्ष्मण रेखा को नहीं लांघा जाना चाहिए। मतभेद भले ही हो पर मनभेद नहीं होना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर आयोजित अमृत महोत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली सहित पक्ष विपक्ष के नेताओं ने खुलकर विचार रखते हुए विधायिका की कम बैठकों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि सामान्यतः इस तरह के कार्यक्रम मात्र औपचारिकता बन कर रह जाते हैं पर जिस तरह से अमृत महोत्सव को लोकतंत्र के लिए उपादेय, लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना, सत्र के दौरान बहस के स्तर की गंभीरता, दलगत राजनीति से उठकर साझा मंच पर खुली चर्चा और अनुभवों का साझा करने से यह आयोजन विशिष्ठ आयोजन हो जाता है। जिस तरह से सत्रों के दौरान हंगामें के हालात बनते हैं और आपसी मतभेद और मनभेद की स्थितियां होने लगी है इस पर चिंता व्यक्त करने के साथ ही विधानसभा के पहले के सत्रों में गंभीरता, तथ्यात्मकता, गहन अध्ययन और स्तरीय बहसों के उदाहरण उद्धृत करते हुए गंभीर और स्तरीय बहस पर जोर दिया गया। यहां तक कहा गया कि हंगामें से नहीं तथ्य और तर्क व संवाद से बड़े नेता बनते हैं। लोकतंत्र की लक्ष्मण रेखा से इंसानियत की भावना पर जोर दिया गया।

अमृत महोत्सव के बहाने जिस तरह से सदनों में बहस के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा गरिमापूर्ण, गंभीरता परक, गहन अध्ययन, आलोचना के लिए आलोचना ना होने, तथ्यपरक पक्ष रखने और गंभीर बहस से सदन की गरिमा ही बढ़ेगी और इसका लाभ लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने में मिल सकेगा। अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का यह कहना कि अनुभव और युवा उर्जा का समागम ही लोकतंत्र की असली पूंजी है। देखा जाए तो राजस्थान विधानसभा के अमृत उत्सव का यह आयोजन जहां लोकतंत्र की मजबूती, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ ही लोकतंत्र में अटूट आस्था, गौरवशाली लोकतांत्रिक आस्था का माध्यम बन गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह निकश की यह आयोजन अतीत का उत्सव ही नहीं अपितु भविष्य का पथ-प्रदर्शक भी है।

यक्ष प्रश्न- क्या विकसित भारत 2047 का लक्ष्य 2075 में हासिल होगा?

यदि आप विकसित भारत 2047 का स्वप्न देख रहे हैं तो थोड़ा संभल जाइए, क्योंकि कुछ अर्थशास्त्रियों ने यह तर्क दिया है कि यदि भारत की मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर, उत्पादकता और रोजगार सृजन की गति में पर्याप्त सुधार नहीं हुआ, तो भारत को विकसित देश बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है। बता दें कि यह कोई आधिकारिक सरकारी अनुमान नहीं है, बल्कि कतिपय अर्थशास्त्रियों द्वारा किए गए एक आर्थिक विश्लेषण पर आधारित दृष्टिकोण मात्र है, जो सत्य के निकट है या परे, यह भविष्य के गर्भ में है। हाँ, इतना जरूर है कि इससे विपक्ष को सत्तापक्ष की खिल्ली उड़ाने का एक मौका जरूर मिल गया है।

(कमलेश पांडे)

प्रति व्यक्ति आय- विकसित देश बनने का आधार केवल कुल जीडीपी नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति आय भी है। यदि जनसंख्या के अनुपात में आय पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ती, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है। तीसरी, रोजगार की चुनौती- आर्थिक वृद्धि के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं बनने से आय और उपभोग दोनों प्रभावित होते हैं।

यदि आप विकसित भारत 2047 का स्वप्न देख रहे हैं तो थोड़ा संभल जाइए, क्योंकि कुछ अर्थशास्त्रियों ने यह तर्क दिया है कि यदि भारत की मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर, उत्पादकता और रोजगार सृजन की गति में पर्याप्त सुधार नहीं हुआ, तो भारत को विकसित देश बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है। बता दें कि यह कोई आधिकारिक सरकारी अनुमान नहीं है, बल्कि कतिपय अर्थशास्त्रियों द्वारा किए गए एक आर्थिक विश्लेषण पर आधारित दृष्टिकोण मात्र है, जो सत्य के निकट है या परे, यह भविष्य के गर्भ में है। हाँ, इतना जरूर है कि इससे विपक्ष को सत्तापक्ष की खिल्ली उड़ाने का एक मौका जरूर मिल गया है।

दरअसल, इस संदर्भ में चर्चित अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने भी कहा कि यदि वर्तमान गति ऐसी ही बनी रही, तो विकसित भारत का लक्ष्य 2047 तक हासिल करना कठिन हो सकता है। मसलन, सुरजीत भल्ला का आशय यह है कि केवल उच्च आर्थिक वृद्धि दर पर्याप्त नहीं है। यदि वर्तमान गति, निवेश, उत्पादकता और रोजगार सृजन की चुनौतियाँ बनी रहीं, तो भारत को विकसित देश बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है।

इस प्रकार से देखा जाए तो उन्होंने और उनके जैसे अन्य कई अर्थशास्त्रियों द्वारा उठाई जाने वाली प्रमुख चिंताएँ इस प्रकार हैं- पहली, विकास दर में कमी- विकसित भारत के लक्ष्य के लिए लंबे समय तक 8-9 प्रतिशत या उससे अधिक वास्तविक जीडीपी वृद्धि की आवश्यकता मानी जाती है, जबकि हाल के वर्षों में वृद्धि इससे कम रहने का अनुमान है।

दूसरी, प्रति व्यक्ति आय- विकसित देश बनने का आधार केवल कुल जीडीपी नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति आय भी है। यदि जनसंख्या के अनुपात में आय पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ती, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है। तीसरी, रोजगार की चुनौती- आर्थिक वृद्धि के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं बनने से आय और उपभोग दोनों प्रभावित होते हैं।

चौथा, विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग)- जीडीपी और रोजगार में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी अपेक्षित स्तर तक नहीं बढ़ पाई है। पांचवीं, मानव पूंजी- शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और श्रम उत्पादकता में अभी भी उल्लेखनीय सुधार की आवश्यकता है। छठी, वैश्विक अनिश्चितताएँ- भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार बाधाएँ, ऊर्जा कीमतें और वैश्विक आर्थिक मंदी जैसे कारक भी विकास की गति को प्रभावित कर सकते हैं।

हालाँकि, यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि यह एक आर्थिक आकलन है, कोई निश्चित भविष्यवाणी नहीं। यदि भारत अगले दो दशकों में तेज़ और निरंतर आर्थिक वृद्धि, व्यापक रोजगार सृजन, विनिर्माण विस्तार, बुनियादी ढाँचे में निवेश, शिक्षा-स्वास्थ्य सुधार और प्रशासनिक सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करता है, तो 2047 का लक्ष्य अधिक यथार्थवादी हो सकता है।

इसलिए सुरजीत भल्ला का तर्क मूलतः यह है कि यदि वर्तमान गति और संरचनात्मक चुनौतियाँ नहीं बदलीं, तो विकसित भारत का लक्ष्य 2047 से काफी आगे खिसक सकता है। इसके पीछे प्रमुख कारण बताए जाते हैं जो इस प्रकार हैं- पहला, विकास दर की चुनौती- विकसित देशों की श्रेणी में पहुँचने के लिए भारत को लंबे समय तक लगभग 7-8 प्रतिशत या उससे अधिक वास्तविक जीडीपी वृद्धि बनाए रखनी होगी। यदि वृद्धि 6 प्रतिशत के आसपास रहती है, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है।

दूसरा, प्रति व्यक्ति आय कम होना- भारत की कुल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन बड़ी आबादी के कारण प्रति व्यक्ति आय अभी विकसित देशों से काफी कम है। तीसरा, रोजगार और उत्पादकता- उच्च आर्थिक वृद्धि के साथ गुणवत्तापूर्ण रोजगार और श्रम उत्पादकता में तेज सुधार आवश्यक है। चौथा, विनिर्माण क्षेत्र की धीमी प्रगति- यदि मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात अपेक्षित गति से नहीं बढ़ते, तो आय वृद्धि सीमित रह सकती है। पांचवां, शिक्षा और स्वास्थ्य- मानव पूंजी में निवेश पर्याप्त न होने पर दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। छठा, बुनियादी ढाँचा और संस्थागत सुधार- न्यायिक दक्षता, भूमि, श्रम और प्रशासनिक सुधारों की गति भी निर्णायक मानी जाती है।

वहीं, दूसरी ओर, 2047 के लक्ष्य के समर्थन में भी मजबूत तर्क हैं क्योंकि भारत में सत्ता प्रतिष्ठान के रिकॉर्ड दर रिकॉर्ड को तोड़ती जा रही भाजपा नीत राजग की नरेंद्र मोदी सरकार के लिए विकसित भारत 2047 एक ड्रीम प्रोजेक्ट है। चूंकि भारत की आजादी प्राप्ति का सौवाँ वर्ष है, इसलिए सरकार इसे ज्यादा तवज्जो दे रही है, जबकि वैश्विक षड्यंत्रकारी देश अमेरिका/चीन और उनके पिछलग्गू कट्टर मुस्लिम देश भारत की तरक्की से जल-भुन रहे हैं!

नामचीन अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि भारत की अर्थव्यवस्था लगातार ऊँची आर्थिक वृद्धि बनाए रखे, डिजिटल अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा और विनिर्माण में तेजी से आगे बढ़े, कौशल विकास और रोजगार सृजन पर जोर दे, तथा राज्यों में सुधारों की गति तेज हो, तो विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य अपेक्षाकृत जल्दी यानी कि 2047 तक या उससे कुछ साल पहले भी हासिल किया जा सकता है।

इसलिए 2047 और 2075 को निश्चित भविष्यवाणी नहीं, बल्कि अलग-अलग आर्थिक परिदृश्यों के रूप में देखना चाहिए। अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि आने वाले दो दशकों में भारत सुधारों, निवेश, उत्पादकता, मानव संसाधन विकास की गति और सुशासन व पारदर्शिता कितनी बढ़ा पाता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सेजस कन्या आरएमएस विद्यालय, छिंदगढ़ में 42 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिलों का वितरण

सुकमा। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत सुकमा जिले के विकासखंड छिंदगढ़ मुख्यालय स्थित सेजस कन्या आरएमएस विद्यालय में 42 छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्या एवं अधिवक्ता दीपिका शोरी उपस्थित रहीं। दीपिका शोरी ने छात्राओं को साइकिलें वितरित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं और शासन द्वारा संचालित योजनाएं उनके सपनों को नई उड़ान देने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने छात्राओं से पूरे मनोयोग, अनुशासन और लगन के साथ अध्ययन करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने माता-पिता, समाज और जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि सरस्वती साइकिल वितरण योजना केवल एक साइकिल देने की योजना नहीं, बल्कि बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने, विद्यालय तक उनकी नियमित पहुंच सुनिश्चित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं के लिए यह योजना शिक्षा की राह को और अधिक सुगम बनाती है तथा विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति को कम करने में भी सहायक सिद्ध होती है। कार्यक्रम में छिंदगढ़ के उपसरपंच जितेंद्र बघेल, विद्यालय की प्राचार्या रेखा शोरी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। इस दौरान विद्यालय परिवार ने अतिथियों का स्वागत किया तथा छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पालकों ने शासन की इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि निःशुल्क साइकिल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, समय की बचत होगी तथा वे नियमित रूप से पढ़ाई कर सकेंगी। उन्होंने इसे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की बेटियों के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक योजना बताते हुए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन छात्राओं को बेहतर शिक्षा, नियमित अध्ययन और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश देते हुए किया गया।

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस ने प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

केशकाल। दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर केशकाल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई एवं महिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड में प्रदर्शन किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश नेताम के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अमीन मेमन ने कहा कि दिल्ली में अपने अधिकारों की आवाज उठा रहे छात्रों पर बल प्रयोग और लाठीचार्ज की घटना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज को दबाने के बजाय उनकी मांगों को सुनकर संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाना चाहिए। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश नेताम ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा छात्रों की मांगों और उनके साथ हुए कथित अत्याचार के विरोध में किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान उनकी गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केशकाल में पुतला दहन किया है। कांग्रेस छात्रों के अधिकारों और न्याय की लड़ाई में उनके साथ खड़ी है। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष पितांबर नाग ने भाजपा सरकार पर छात्र विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षा, रोजगार और अपने अधिकारों की मांग करने वाले छात्रों पर लाठी चलाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने दिल्ली की घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की। इस अवसर पर अमीन मेमन, सगीर अहमद कुरैशी, महेंद्र नेताम, राजेश नेताम, ओमप्रकाश मरकाम, पितांबर नाग, पप्पू मंडावी, संजय मरकाम, फिरोज मेमन, अमर सिंह मरकाम, रमेश मंडावी, राजेंद्र ठाकुर, जितेंद्र रजक, सोहेल रजा, मोसिन खान, अरुण अग्निहोत्री, सोनाऊ राम मंडावी, सुरेश कोर्राम, यशोदा सलाम, माहेश्वरी हिड़को, संगीता नेताम, सुनील सलाम, मुकेश मंडावी, सुमिरन सोरी, राकेश कुंजाम, वल्ली मेमन, अमीन पारेख समेत अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवा सेतु से आसान हुई दस्तावेज बनाने की प्रक्रिया, विद्यार्थियों के भविष्य को मिला नया सहारा

दंतेवाड़ा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर संचालित सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है। इस अभियान के माध्यम से आवश्यक शासकीय दस्तावेज अब लोगों को समय पर और सरल प्रक्रिया के जरिए उपलब्ध हो रहे हैं, जिससे आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। प्रस्तुत कथा क्रम में कोआपारा, बड़े बचेली निवासी राजू कुंजाम ने अपने पुत्र रेवांथ कुंजाम का निवासी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सेवा सेतु केंद्र में आवेदन किया था। राजू कुंजाम ने बताया कि उनके पुत्र की आगे की पढ़ाई और विभिन्न शैक्षणिक प्रक्रियाओं के लिए निवासी प्रमाण पत्र आवश्यक था। पहले इस प्रकार के दस्तावेज बनवाने में कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन सेवा सेतु अभियान के माध्यम से उनका आवेदन सरलता से स्वीकार किया गया और समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध हो गया। उन्होंने कहा कि इससे उनके पुत्र की शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी सुविधा मिली है। इसी प्रकार ग्राम मल्लेमुंडा, ग्राम पंचायत मुचनार निवासी संतुराम वेक ने अपने पुत्र सुभाष वेक का आय प्रमाण पत्र सेवा सेतु के माध्यम से बनवाया। उन्होंने बताया कि आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता शैक्षणिक एवं शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए थी। सेवा सेतु अभियान के कारण उन्हें बिना अनावश्यक परेशानी के आवश्यक दस्तावेज प्राप्त हो गया। उन्होंने राज्य सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण परिवारों का समय, श्रम और आर्थिक व्यय तीनों की बचत हो रही है। इस सेवा हेतु पोर्टल के माध्यम से जिले के अनेक ग्रामीण परिवारों को विभिन्न प्रमाण पत्र एवं अन्य शासकीय सेवाओं का लाभ आसानी से मिल रहा है। यह पहल न केवल नागरिकों को प्रशासन से जोड़ रही है, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य को भी नई दिशा देने का कार्य कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी जनहितकारी पहल से शासन की सेवाएँ अब वास्तव में आम लोगों के द्वार तक पहुँच रही हैं।

बंदूक छोड़ विकास की मुख्यधारा से जुड़े बण्डो राकेश को मिला पक्का मकान

सुकमा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा और समृद्धि की बहाली के लिए समर्पित जिला प्रशासन ने पुनर्वास और लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से एक बार फिर सफलता की नई इबारत लिखी है। कभी हिंसा की राह पर रहे प्रतिबंधित संगठन के सदस्य रहे बण्डो राकेश उर्फ जोगेन्द्र (पिता बण्डो हड़मा) ने वर्ष 2016 में समाज की मुख्यधारा में लौटने का ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय सुकमा में आत्मसमर्पण किया था। प्रशासन ने न केवल उनका खुले दिल से स्वागत किया, बल्कि उनके बेहतर भविष्य के लिए पुनर्वास नीतियों के तहत हरसंभव सहायता सुनिश्चित की। इसी का सुखद परिणाम है कि आज वे पूरी तरह से एक सामान्य और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति को धरातल पर उतारते हुए सुकमा प्रशासन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण' के अंतर्गत एक विशेष परियोजना के तहत बण्डो राकेश के लिए पक्के मकान की स्वीकृति प्रदान की है। जनपद व जिला पंचायत सुकमा के कुशल मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत जीरमपाल (मुतोड़ी) ने इस योजना के क्रियान्वयन में एक आदर्श और सफल मिसाल पेश की है। मुख्यधारा में लौटे नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं, जैसे पक्की छत और आजीविका के साधन प्राथमिकता से प्रदान करना, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि स्थानीय प्रशासन अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध और तत्पर है। प्रशासन की यह सराहनीय पहल क्षेत्र के युवाओं के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन गई है, जो यह साबित करती है कि विकास और शांति का मार्ग जीवन को सुरक्षित और खुशहाल बना सकता है। ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्तुत किया गया यह सफल क्रियान्वयन न केवल सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता और गति को रेखांकित करता है, बल्कि माओवाद के खोखले दावों को खारिज कर प्रशासन पर जनता के अटूट विश्वास को मजबूत करता है। सुकमा जिला प्रशासन की इस नीतिगत तत्परता ने साबित कर दिया है कि बंदूकों की गूंज से प्रभावित रहे इस अंचल में अब खुशहाली, पक्के मकान और सुरक्षित भविष्य की एक नई सुबह आ चुकी है।

बिप्लव मल्लिक सर्वसम्मति से बने किरंदुल कॉन्ट्रैक्टर वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव

किरंदुल। कॉन्ट्रैक्टर वेलफेयर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक में संगठन की मजबूती और एकजुटता देखने को मिली। आयोजित बैठक में बिप्लव मल्लिक को सभी सदस्यों की सहमति से निर्विरोध सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस निर्णय से किरंदुल क्षेत्र के ठेकेदारों और एसोसिएशन के सदस्यों में उत्साह का माहौल है। बिप्लव मल्लिक के अनुभव और कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है। इससे पूर्व भी मल्लिक सचिव पद का दो वर्ष का सफलतापूर्वक कार्यकाल निर्वहन कर चुके हैं। पुनः उनके सचिव बनने से एसोसिएशन का कार्य और अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित होने तथा ठेकेदारों की समस्याओं के प्रभावी समाधान की उम्मीद जताई जा रही है। निर्विरोध चयन के बाद एसोसिएशन के सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि बिप्लव मल्लिक के नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त तथा एकजुट होकर आगे बढ़ेगा। सचिव का दायित्व मिलने के बाद मल्लिक ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से जिम्मेदारी निभाने का भरोसा दिलाया। इस दौरान एसोसिएशन के सभी प्रमुख सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

के.एम.एस. शाखा किरंदुल द्वारा मनाया गया भारतीय मजदूर संघ का स्थापना दिवस

किरंदुल। खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल द्वारा विश्व के सबसे वृहद श्रम संगठन भारतीय मजदूर संघ का 72वां स्थापना दिवस गरिमामयी समारोह आयोजित कर मनाया गया। विदित हो कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वितीय सर संघ चालक गुरू के वैचारिक कल्पना एवं निर्देशानुसार संघ के प्रचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा 23 जुलाई 1955 को आजादी के प्रणेता बाल गंगाधर तिलक तथा महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की गई थी।

स्थापना के समय से ही बीएमएस का उददेश्य राष्ट्रहित सर्वोपरि का रहा है। स्थापना दिवस के गरिमामयी आयोजन का शुभारम्भ माँ भारती एवं दत्तोपंत ठेंगड़ी के तैल चित्रों के समक्ष भारतीय मजदूर संघ के जिले के प्रभारी रूद्र कुमार ताती, किरंदुल भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी, महामंत्री विक्रम नाहक, नेता रविन्द्र सोनी, अतुल सिंह, नगरपालिका परिषद के एल्डरमेन संजू दास, खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल के अध्यक्ष बी. दिल्ली राव, सदस्य बसंत पासी, उपेंद्रनाथ त्रिपाठी, दानेश्वर जोशी, बचेली शाखा के अध्यक्ष पूरन जायसवाल, मातृशक्तियों के कर कमलों से दीप प्रज्जवलन कर ध्वजारोहण किया गया। यूनियन के पदाधिकारी राजेंद्र यादव द्वारा जानकारी दी गई कि राष्ट्रहित, उद्योगहित, श्रमिक हित के ध्येय वाक्य के साथ कार्य करने वाली ट्रेड यूनियन बीएमएस का हमेशा से यह नारा रहा है– देश के हित में करेंगे काम, काम के लेंगे पूरे दाम। संकट के समय उन्होंने हमेशा संगठनात्मक हितों से ऊपर राष्ट्रीय कर्तव्य को प्राथमिकता दी है और अपनी बातों को पूरा करके चरितार्थ भी किया है भारतीय मजदूर संघ ने। पाकिस्तान के साथ युद्ध के समय देश की आयुध कारखानों में उत्पादन को बिना किसी रुकावट के लगातार जारी रखा था। पाकिस्तान के साथ युद्ध (विशेषकर 1965 और 1971 के युद्ध) और 1962 में चीन के आक्रमण के समय, बीएमएस ने देश के विभिन्न मजदूर संगठनों को मिलाकर एक विशेष मंच 'राष्ट्रीय मजदूर मोर्चा' का गठन किया था। इस मोर्चे के माध्यम से बीएमएस ने ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों और अन्य रक्षा प्रतिष्ठानों में काम करने वाले सिविलियन कर्मचारियों और मजदूरों को एकजुट किया। संगठन ने स्पष्ट नीति अपनाई कि राष्ट्रीय संकट के इस समय में कोई भी हड़ताल या विरोध प्रदर्शन नहीं किया जाएगा। देश के जवानों को हथियारों और गोला-बारूद की कमी न हो, इसके लिए मजदूरों ने बिना थके दिन-रात (अतिरिक्त शिफ्टों में) काम किया ताकि सेना को युद्ध सामग्री की आपूर्ति लगातार मिलती रहे। इसी युद्धकालीन राष्ट्रभक्ति और ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों (जैसे कानपुर और अन्य स्थानों) में सफल कार्यप्रणाली के बाद, रक्षा क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए बीएमएस की एक विशेष रक्षा इकाई 'भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ' का आधिकारिक गठन हुआ।

बारसूर में व्यवसायिक दुकानों में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के चलते लगाया गया जुर्माना

दंतेवाड़ा। नगर पंचायत बारसूर द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ लगातार औचक निरीक्षण और जब्ती अभियान चलाए जा रहे हैं। नियमों का उल्लंघन व प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग करने वाले व्यावसायिक दुकानों पर जुर्माना लगाने और पॉलीथिन जब्त करने की कड़ी कार्रवाई की गई है।

इसके तहत कुल 05 दुकानदारों पर 1000 का जुर्माना एवं 0.5 किलो पॉलीथिन जब्ती की गई है तथा दुकानदारों व व्यापारियों को समझाइश दी गई है, भविष्य में प्रतिबंधित सिंगल यूज सामग्री के निर्माण, परिवहन, एवं आपूर्ति न की जाए। मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा शहर वासियों के साथ व्यापारी संस्थाओं से प्रतिदिन के कार्यों में प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील करते हुए कहा गया है कि प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक कैरी बैग का उपयोग नहीं कर सब्जी व अन्य सामान लाने के लिए कपड़े की थैली या बायो डिग्रेबल थेली का प्रयोग करें। शहर को साफ सुन्दर बनाये रखने में नगर पंचायत द्वारा चलाए जा रहे अभियान में अपना सहयोग करने के साथ-साथ व्यापारी संस्थाएं भी अपने सदस्यों की प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने हेतु प्रेरित करें। घरों, व्यवसायिक दुकानों, व्यवसायिक परिसर, संस्थानों से निकलने वाले कचरे को डोर-टू-डोर संग्रहण करने वाली स्वच्छता दीदीयों को ही देवें। इसके अलावा नदी, तालाबों, नालियों, खुले स्थानो, सार्वजनिक स्थानों में कचरा न फेंके और न ही जलायें। कचरा फेकते या जलाये जाने की स्थिति में पर्यावरण क्षतिपूर्ति अर्थदण्ड अधिरोपित किया जावेगा।

कोड़ेनार तालाब मार्ग जर्जर, आवागमन में लोगों को हो रही परेशानी

किरंदुल। ग्राम पंचायत कोड़ेनार स्थित तालाब पारा से शुकरु कैम्प की ओर जाने वाले मार्ग की हालत जर्जर व कीचड़युक्त हो गई हैं।सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण आमजन एवं स्कूली बच्चों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। इस संबंध में यात्री राय पीडब्ल्यूडी के उपअभियंता ने बताया कि उक्त मार्ग के सुधार कार्य के लिए ठेकेदार को टेंडर के माध्यम से कार्य दिया गया था। लेकिन ठेकेदार द्वारा निर्धारित समय सीमा में काम पूरा नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि कार्य में लापरवाही बरतने पर विभाग द्वारा संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया हैं। नोटिस में शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने मांग की हैं। इस मार्ग की मरम्मत शीघ्र कराई जाए ताकि आवागमन सुगम हो सके और किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

कांकेर जिले के प्रगतिशील किसान परशुराम साहू प्राकृतिक खेती की बन रहे मिसाल

हरी खाद ढैंचा से बदली खेती की तस्वीर, उर्वरक खर्च हुआ आधा और मिट्टी बनी अधिक उपजाऊ

कांकेर। खेती की बढ़ती लागत और मिट्टी की घटती उर्वराशक्ति आज किसानों के सामने बड़ी चुनौती है। ऐसे समय में कृषि विभाग के मार्गदर्शन में विकासखंड चारामा के ग्राम गोलकुमड़ा के प्रगतिशील किसान परशुराम साहू ने हरी खाद (ढैंचा) को अपनाकर यह साबित किया है कि प्राकृतिक तरीकों से भी कम लागत में बेहतर खेती की जा सकती है। उनका यह अनुभव क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रहा है। कृषक साहू ने करीब तीन वर्ष पहले कृषि विभाग के अधिकारियों के सुझाव पर धान की खेती में ढैंचा का उपयोग शुरू किया। शुरुआत में उन्होंने प्रयोग के तौर पर इसे अपनाया, लेकिन सकारात्मक परिणाम मिलने के बाद अब वे नियमित रूप से अपनी लगभग 03 एकड़ कृषि भूमि में धान की रोपाई से 40 से 45 दिन पहले ढैंचा की बुवाई करते हैं। साहू बताते हैं कि ढैंचा की फसल लगभग 35 से 40 दिन में तैयार हो जाती है। इसके बाद ट्रैक्टर या हल की सहायता से इसे खेत में पलटकर मिट्टी में मिला दिया जाता है। कुछ दिनों में यह पूरी तरह विघटित होकर उत्कृष्ट हरी खाद का रूप ले लेती है, जिससे भूमि को प्राकृतिक रूप से आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। वे बताते हैं कि ढैंचा अपनाने के बाद उनके खेत में रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गई है। पहले जहां अधिक मात्रा में यूरिया एवं अन्य उर्वरकों का उपयोग करना पड़ता था, वहीं अब कम उर्वरक में भी अच्छी फसल मिल रही है। साथ ही उनकी भूमि पहले की तुलना में अधिक भुरभुरी, उपजाऊ और नमी बनाए रखने में सक्षम हो गई है। विकासखंड चारामा के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी महेश कुमार सोनकर ने बताया कि ढैंचा दलहनी वर्ग की महत्वपूर्ण हरी खाद फसल है। इसकी जड़ों में विकसित होने वाली राइजोबियम जीवाणु ग्रंथियां वायुमंडल से नाइट्रोजन को स्थिर कर मिटटी में उपलब्ध कराती हैं। एक हेक्टेयर क्षेत्र में तैयार ढैंचा की हरी खाद से भूमि को लगभग 40 से 60 किलोग्राम नाइट्रोजन प्राकृतिक रूप से प्राप्त हो सकती है। इसके साथ ही यह मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ाती है, सूक्ष्मजीवों की सक्रियता को प्रोत्साहित करती है, जलधारण क्षमता में सुधार लाती है तथा मिट्टी की संरचना को बेहतर बनाती है। लगातार उपयोग से भूमि की उर्वराशक्ति लंबे समय तक बनी रहती है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है।

संक्षिप्त समाचार

सफलता की कहानी सामुदायिक डबरी निर्माण से बदली कर्रा गांव की तस्वीर

बिलासपुर। जिले के विकासखंड कोटा अंतर्गत ग्राम पंचायत नवागांव कर्रा के मजौलीपारा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत सामुदायिक डबरी का निर्माण किया गया। इस कार्य का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का संरक्षण, भू-जल स्तर में वृद्धि, सिंचाई सुविधा का विस्तार, मत्स्य पालन को बढ़ावा देना तथा ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराना था। इस कार्य के लिए कुल 5.11 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई। निर्माण कार्य ग्राम पंचायत द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन एवं नियमानुसार मनरेगा के पात्र श्रमिकों के माध्यम से पूर्ण कराया गया। ग्राम के समीप स्थित मुक्तिधाम क्षेत्र में वर्षा जल के उचित संग्रहण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। बरसात का अधिकांश पानी बहकर व्यर्थ चला जाता था, जिससे गर्मी के मौसम में जल संकट, भू-जल स्तर में गिरावट तथा सिंचाई की समस्या बनी रहती थी। इन परिस्थितियों को देखते हुए सामुदायिक डबरी का निर्माण कराया गया, जिससे वर्षा जल का प्रभावी संचयन संभव हुआ। डबरी निर्माण के बाद आसपास के क्षेत्रों में भू-जल पुनर्भरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। खेतों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होने लगा, जिससे कृषि गतिविधियों को नई गति मिली। साथ ही जल उपलब्धता बढ़ने से स्थानीय स्तर पर मत्स्य पालन की शुरुआत हुई, जिसने ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त आय और रोजगार का नया स्रोत तैयार किया। इस कार्य ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। डबरी में संचित पानी के कारण आसपास के पेड़-पौधों एवं हरियाली के संरक्षण में सहायता मिली। वर्षा के पानी के अनियंत्रित बहाव में कमी आने से मिट्टी कटाव पर भी नियंत्रण हुआ तथा क्षेत्र में पर्यावरणीय संतुलन मजबूत हुआ। इससे ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ी। डबरी का निर्माण मुक्तिधाम के समीप होने के कारण सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। पहले यहां अंतिम संस्कार जैसी आवश्यक गतिविधियों के दौरान जल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी, जबकि अब इस डबरी से आवश्यक जल उपलब्ध होने लगा है। इसके साथ ही यह सामुदायिक परिसंपत्ति गांव के अन्य सामाजिक कार्यों में भी उपयोगी साबित हो रही है। आज यह सामुदायिक डबरी ग्राम नवागांव कर्रा के लिए जल संरक्षण और ग्रामीण विकास का एक सफल मॉडल बन चुकी है। इस पहल से जहां एक ओर कृषि उत्पादन, मत्स्य पालन और भू-जल संरक्षण को मजबूती मिली है, वहीं दूसरी ओर मनरेगा के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध हुआ है। यह कार्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर क्षेत्र के अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

27 जुलाई को कलेक्टर की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक

बिलासपुर। कलेक्टर एवं जिला जल एवं स्वच्छता समिति के अध्यक्ष संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में 27 जुलाई को दोपहर 1:30 बजे कलेक्टोरेट के मंथन सभाकक्ष में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जल जीवन मिशन से जुड़े सभी कार्यकारी एजेंसियों एवं ठेकेदारों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। पीएचई विभाग के ईई रूपेश धनंजय द्वारा जारी निर्देश के अनुसार बैठक में मिशन के विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसमें सीआईआरपी के तहत निर्धारित समय-सीमा में कार्यों की प्रगति, पूर्ण हो चुकी 219 योजनाओं के भुगतान की स्थिति एवं लंबित प्रकरण, विद्युत, जल स्रोत एवं हर घर जल (॥तछ्) योजनाओं के हस्तांतरण से संबंधित विषयों के साथ तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं के निराकरण पर प्रमुख रूप से चर्चा होगी। सभी कार्यकारी एजेंसियों एवं ठेकेदारों को निर्देशित किया गया है कि वे अपनी योजनाओं की अद्यतन प्रगति, आवश्यक अभिलेखों तथा लंबित बिंदुओं की जानकारी के साथ स्वयं अथवा अधिकृत सक्षम प्रतिनिधि के माध्यम से निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से बैठक में उपस्थित रहें।

स्वच्छता व्यवस्थाओं का राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने किया निरीक्षण

स्वच्छता नियमों के पालन से बनेगा हर गांव स्वच्छ...

बिलासपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की राज्य सलाहकार एवं बिलासपुर संभाग प्रभारी श्रीमती मोनिका सिंह ने आज विकासखंड तखतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चितावर का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत में संचालित ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन का अवलोकन भी किया। स्वच्छग्राही समूह के सदस्यों को नियमित डोर-टू-डोर कलेक्शन, स्रोत पर कचरा पृथक्करण सुनिश्चित कराने तथा स्वच्छता शुल्क के नियमित संग्रह एवं उसके महत्व के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन तभी सफल होगा, जब प्रत्येक नागरिक स्वच्छता को अपनी दैनिक आदत और सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाएगा। घर से निकलने वाले कचरे का चार प्रकार से पृथक्करण, नियमित डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में सहयोग, स्वच्छता शुल्क का समय पर भुगतान तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। ग्राम पंचायत, स्वच्छग्राही एवं ग्रामीण यदि सामूहिक रूप से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, तो प्रत्येक गांव को स्वच्छ, स्वस्थ, सुंदर और कचरा मुक्त बनाया जा सकता है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 का प्रभावी क्रियान्वयन केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निरीक्षण के दौरान स्वच्छग्राहियों एवं ग्रामीणों को कचरे को चार प्रकार से जैसे कि सूखा कचरा, गीला कचरा, सेनेटरी कचरा एवं विशेष देखभाल या इलेक्ट्रॉनिक कचरा को एकत्रित करने की जानकारी दी गई। साथ ही स्वच्छ एवं कचरा मुक्त ग्राम के निर्माण हेतु विस्तार से चर्चा करते हुए स्रोत पर कचरा पृथक्करण एवं वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच एवं सचिव को निर्देशित किया गया कि वे ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति निरंतर जागरूक करें, निर्धारित स्थान पर ही कचरे का निस्तारण सुनिश्चित कराएं तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन नहीं करने वाले व्यक्तियों को पहले समझाइश दें एवं आवश्यक होने पर नियमानुसार जुर्माना लगाने की कार्रवाई करें। ग्रामीणों को चार प्रकार से कचरा अलग-अलग रखने, नियमित रूप से स्वच्छता शुल्क का भुगतान करने तथा ग्राम में निर्मित सामुदायिक शौचालय का नियमित उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद सदस्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तखतपुर, जिला समन्वयक, जिला सलाहकार, ब्लॉक समन्वयक, बीपीएम (एनआरएलएम), प्रधानमंत्री आवास योजना के तकनीकी सहायक, जनपद पंचायत की टीम, सरपंच, पंचगण, सचिव, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बिहान समूह की महिलाएँ, स्वच्छग्राही तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पीएम जनमन योजना के तहत बन रहा नया छात्रावास, 15 तक पूर्ण करने के निर्देश.....

■ खोंगसरा आदिवासी छात्रावास के विद्यार्थियों को जल्द मिलेगी आधुनिक सुविधाओं से युक्त नई आवासीय व्यवस्था

बिलासपुर। जिले के खोंगसरा स्थित प्री-मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास के विद्यार्थियों को शीघ्र ही नए और आधुनिक छात्रावास भवन की सुविधा मिलने जा रही है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए भवन को 15 अगस्त तक हर हाल में पूर्ण करने को कहा है, ताकि विद्यार्थियों को नए भवन में स्थानांतरित कर बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उल्लेखनीय है कि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 50 सीटर नवीन छात्रावास भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद छात्रावास का संचालन नए भवन में किया जाएगा।

वर्तमान में छात्रावास में 24 विद्यार्थी निवासरत हैं, जिन्हें पुराने भवन के सुरक्षित कमरों में व्यवस्था कर उनकी सुरक्षा तथा आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सहायक आयुक्त श्री संजय चंदेल ने बताया कि नए भवन का निर्माण अंतिम चरण में है। कार्य में तेजी लाकर इसे निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। भवन पूर्ण होते ही विद्यार्थियों को नए परिसर में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जिससे उन्हें सुरक्षित, सुविधायुक्त एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि पूर्व में निर्माण कार्य मई-जून तक पूर्ण होने की संभावना को देखते हुए पुराने भवन में बड़े मरम्मत कार्य नहीं कराए गए थे। हालांकि निर्माण अवधि बढ़ने के बाद भी विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें सुरक्षित कमरों में रखा गया है तथा नए भवन में शीघ्र स्थानांतरण की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रह रही है।नया छात्रावास शुरू होने के बाद विद्यार्थियों को बेहतर आवास, अध्ययन और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

महज 8 दिनों में सुधरा हैंडपंप, ग्रामीणों के चेहरे पर मुस्कान

बिलासपुर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन की छोटी-छोटी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला प्रशासन बिलासपुर की सक्रिय पहल और विभागों की समयबद्ध कार्यवाही से लोगों को शीघ्र राहत मिल रही है। विकासखंड बिल्हा के ग्राम धमनी में खराब पड़े सार्वजनिक हैंडपंप की महज आठ दिनों में मरम्मत कर ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराना इसका एक प्रेरक उदाहरण है। ग्राम धमनी निवासी श्री राहुल यादव ने 28 जून 2026 को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके मोहल्ले का सार्वजनिक हैंडपंप लगभग दो माह से खराब होने के कारण पेयजल संकट की स्थिति बनी हुई है। शिकायत प्राप्त होते ही जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।विभाग के तकनीकी दल ने मौके पर पहुंचकर हैंडपंप का निरीक्षण किया और खराबी का परीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य प्रारंभ किया। निर्धारित समय-सीमा के भीतर 6 जुलाई 2026 को हैंडपंप को पूरी तरह दुरुस्त कर पुनः चालू कर दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों को फिर से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने लगा और लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान हो गया। शिकायतकर्ता ग्रामीण श्री राहुल यादव ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत के त्वरित निराकरण पर संतोष व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का आभार जताया। उन्होंने कहा कि समय पर हुई कार्रवाई से पूरे मोहल्ले को बड़ी राहत मिली है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशन में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का संवेदनशीलता, पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ निराकरण किया जा रहा है।

जिला प्रशासन का प्रयास है

अग्रवाल सभा दर्री-जमनीपाली की नई कार्यकारिणी घोषित, सुरेश अग्रवाल बने अध्यक्ष

कोरबा। जमनीपाली के साडा कॉलोनी स्थित अग्रसेन भवन में अग्रवाल सभा दर्री जमनीपाली की बैठक सभा के अध्यक्ष प्रेमकुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में अग्रवाल सभा दर्री जमनीपाली के आगामी कार्यकाल 2026-2029 के लिए नवीन कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन किया गया। सर्वप्रथम अध्यक्ष पद के लिए सुरेश कुमार अग्रवाल (पत्रकार) के नाम का प्रस्ताव प्रेमकुमार अग्रवाल ने रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए बैजनाथ अग्रवाल (भवानी) राजेन्द्र अग्रवाल राजा दर्री, मनीष अग्रवाल दर्री, प्रेमकुमार अग्रवाल सुमेधा का चयन किया गया । मनोज कुमार अग्रवाल एल्डरमेन को एक बार पुनरू सचिव पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सहसचिव आशीष अ्ग्रवाल बंटी स्याहीमुड़ी को बनाया गया, कोषाध्यक्ष के पद के लिए सुरेश अग्रवाल (बालाजी) के नाम का चयन किया गया । दर्री जमनीपाली अग्रवाल सभा का गठन 2007 में किया गया था तब से आज तक लगातार कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सुरेश अग्रवाल बालाजी को दिया जाता रहा है । पहली बार सह कोषाध्यक्ष पद का गठन किया गया, इस पद के लिए अशोक स्टील के संचालक अशोक कुमार अग्रवाल के नाम की घोषणा की गई । मंत्री आशीष अग्रवाल पूर्व एल्डरमेन, प्रचार प्रसार सचिव प्रतीक अग्रवाल और विकास अग्रवाल, श्यामा मेडिकोज को बनाया गया ।

शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल कोनी को मिली अत्याधुनिक ब्लड सेंटर संचालन की अनुमति

मरीजों के लिए अस्पताल में जल्द ही एसडीपी की सुविधा

बिलासपुर। कुमार साहब स्व. श्री दिलीप सिंह जूदेव शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल कोनी को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन से अत्याधुनिक ब्लड सेंटर के संचालन के लिए आधिकारिक लाइसेंस प्राप्त हो गया है। यह महत्पपूर्ण उपलब्धि जिला प्रशासन, औषधि एवं खाद्य नियंत्रक विभाग के सतत सहयोग एवं मार्गदर्शन से प्राप्त हुई है। अस्पताल में स्थापित यह अत्याधुनिक ब्लड सेंटर एनटीपीसी सीपत द्वारा सीएसआर मद के अंतर्गत निर्मित किया गया है। आधुनिक उपकरणों और राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार यह रक्त केंद्र प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में सबसे उन्नत ब्लड सेंटर के रूप में स्थापित हुआ है। इसकी स्थापना एवं विकास में संचालक प्राध्यापक सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. भानु प्रताप सिंह के मार्गदर्शन तथा ब्लड बैंक के क्षेत्र में उनके 25 वर्षों के अनुभव का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस ब्लड सेंटर की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि यह छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पतालों में पहला ऐसा केंद्र बनेगा, जहां सिंगल डोनर प्लेटलेट तैयार करने और मरीजों को उपलब्ध कराने की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा डेंगू, कैंसर, बोन मैरो प्रत्यारोपण, थैलेसीमिया और गंभीर रक्त विकारों से पीड़ित मरीजों के उपचार में अत्यंत उपयोगी साबित होगी। इससे मरीजों को समय पर उच्च गुणवत्ता वाली प्लेटलेट्स उपलब्ध हो सकेंगी और निजी संस्थानों पर उनकी निर्भरता कम होगी। अधीक्षक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने बताया कि इस ब्लड सेंटर का उद्देश्य केवल सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण रक्त और रक्त अवयव उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि प्रदेश के मरीजों को विश्वस्तरीय ट्रांसफ्यूजन सेवाएं प्रदान करना भी है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में एसडीपी सुविधा की शुरुआत शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। अस्पताल प्रशासन ने इस उपलब्धि के लिए जिला प्रशासन बिलासपुर, औषधि एवं खाद्य नियंत्रक विभाग, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन तथा एनटीपीसी सीपत का आभार व्यक्त किया है।

मलेरिया नियंत्रण और कुपोषण उन्मूलन पर जिला प्रशासन का विशेष फोकस....

■ कलेक्टर ने मलेरिया प्रभावित ग्रामों का किया निरीक्षण

बिलासपुर। जिले में मलेरिया की रोकथाम, समय पर उपचार तथा बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज विकासखंड कोटा के मलेरिया प्रभावित ग्राम औरापानी, नवाडीह, मझगांव तथा उप स्वास्थ्य केंद्र मझगांव का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मलेरिया नियंत्रण, कुपोषण उन्मूलन और नियमित स्वास्थ्य निगरानी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि ग्राम औरापानी में प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम (पीएफ) मलेरिया के तीन तथा नवाडीह में एक संक्रमित बच्चा चिन्हित हुआ है। सभी बच्चों का प्राथमिक उपचार कर बेहतर चिकित्सा के लिए सिम्स बिलासपुर रेफर किया गया है। कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केंद्र मझगांव पहुंचकर भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और चिकित्सकों को प्रभावित क्षेत्रों में सघन सर्वे, समय पर जांच तथा गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने ग्राम मझगांव एवं औरापानी के विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से कहा कि यदि कोई बच्चा नियमित रूप से विद्यालय या आंगनबाड़ी केंद्र नहीं आ रहा

है तो उसके घर जाकर कारण की जानकारी लें तथा आवश्यकता होने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचना देकर उपचार की व्यवस्था कराएं। उन्होंने बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक एवं संतुलित आहार, विशेषकर स्थानीय पोषणयुक्त ष्तिरंगा भोजनष् अपनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश भी दिए। आंगनबाड़ी केंद्र मझगांव के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अति कुपोषित बच्चों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने एक अति कुपोषित बच्चे के घर पहुंचकर परिजनों से चर्चा की और बेहतर उपचार एवं पोषण प्रबंधन के लिए बच्चे को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) रतनपुर ले जाने के लिए प्रेरित किया। परिजनों ने अगले दिन बच्चे को एनआरसी ले जाने की सहमति दी। कलेक्टर ने परिवार को संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं बच्चों की समुचित देखभाल के प्रति जागरूक किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किसी भी गांव में मौसमी बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचना देकर आवश्यक उपचार एवं नियंत्रणात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए सभी विभागों को सतत निगरानी एवं समन्वय के साथ कार्य करना होगा इस अवसर पर एसडीएम कोटा श्री प्रवेश पैकरा, सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल, जिला मलेरिया अधिकारी, मलेरिया कंसल्टेंट, खंड चिकित्सा अधिकारी, बीपीएम कोटा, संबंधित सुपरवाइजर, सीएचओ, आरएचओ, मितानिन, ग्राम सरपंच सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

29 जुलाई को कलेक्टर की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक

सभी एजेंसियों एवं ठेकेदारों को उपस्थित रहने के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर एवं जिला जल एवं स्वच्छता समिति के अध्यक्ष संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में 29 जुलाई को सवेरे 10 बजे कलेक्टोरेट के मंथन सभाकक्ष में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जल जीवन मिशन से जुड़े सभी कार्यकारी एजेंसियों एवं ठेकेदारों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। पीएचई विभाग के ईई रूपेश धनंजय द्वारा जारी निर्देश के अनुसार बैठक में मिशन के विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसमें सीआईआरपी के तहत निर्धारित समय-सीमा में कार्यों की प्रगति, पूर्ण हो चुकी 219 योजनाओं के भुगतान की स्थिति एवं लंबित प्रकरण, विद्युत, जल स्रोत एवं हर घर जल (॥तछ्) योजनाओं के हस्तांतरण से संबंधित विषयों के साथ तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं के निराकरण पर प्रमुख रूप से चर्चा होगी। सभी कार्यकारी एजेंसियों एवं ठेकेदारों को निर्देशित किया गया है कि वे अपनी योजनाओं की अद्यतन प्रगति, आवश्यक अभिलेखों तथा लंबित बिंदुओं की जानकारी के साथ स्वयं अथवा अधिकृत सक्षम प्रतिनिधि के माध्यम से निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से बैठक में उपस्थित रहें।

देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का योगनिद्रा में प्रवेश

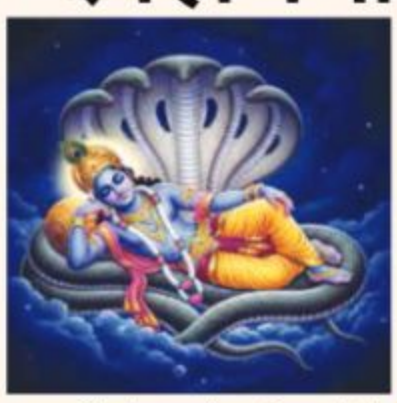

हर महीने दो एकादशी व्रत किए जाते हैं। पहला व्रत कृष्ण पक्ष और दूसरा शुक्ल पक्ष में आता है। हिंदू पंचांग के अनुसार आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी मनाई जाती है। इसे हरिशयनी और आषाढ़ी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में प्रवेश करते हैं और चातुर्मास की शुरुआत होती है।

इस वर्ष देवशयनी एकादशी का व्रत 25 जुलाई, शनिवार को रखा जाएगा। पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि का उदयकाल 25 जुलाई को मिलने के कारण इसी दिन व्रत किया जाएगा। धर्माचार्यों के अनुसार, देवशयनी एकादशी से अगले चार महीने तक पूजा, जप, तप और दान का महत्व बढ़ जाता है। कई परंपराओं में इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश और अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। हालांकि अलग-अलग क्षेत्रों में परंपराओं में कुछ अंतर भी देखने को मिलता है।

देवशयनी एकादशी 2026 डेट और टाइम :

वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 24 जुलाई को सुबह 09 बजकर 12 मिनट पर हो गई है। वहीं, इस तिथि का समापन 25 जुलाई को सुबह 11 बजकर 34 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, इस बार देवशयनी एकादशी 25 जुलाई को मनाई जाएगी।

व्रत के नियम

व्रत रखने वाले लोगों को पूरे दिन सात्विक जीवनशैली अपनाने की सलाह दी जाती है। अपनी क्षमता के अनुसार निर्जला, फलाहार या एक समय सात्विक भोजन किया जा सकता है। इस दिन चावल, लहसुन, प्याज, मांस और शराब का सेवन नहीं किया जाता। पूजा में तुलसी दल अर्पित करना शुभ माना गया है। साथ ही झूठ बोलने, क्रोध करने, विवाद करने और किसी की निंदा करने से बचने की सलाह दी जाती है।

क्या न करें

- तामसिक भोजन और नशे से दूर रहें।
- चावल का सेवन न करें।
- किसी का अपमान या अनावश्यक विवाद न करें।
- व्रत का पारण द्वादशी तिथि से पहले न करें।

देवशयनी एकादशी पूजा विधि:

- देवशयनी एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें।
- पीले वस्त्र धारण कर सूर्य को अर्घ्य दें।
- इसके बाद मंदिर की सफाई करें और गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें।
- चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की प्रतिमा को विराजमान करें।
- पीले फूल अर्पित करें।
- देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें।
- सच्चे मन से व्रत कथा का पाठ करें।
- विष्णु चालीसा और मंत्रों का जप करें।
- फल और मिठाई का भोग लगाएं।
- आखिरी में लोगों में प्रसाद बांटें।

देवशयनी एकादशी व्रत 2026 पारण टाइम :

एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि पर किया जाता है। ऐसे में देवशयनी एकादशी व्रत का पारण 26 जुलाई को किया जाएगा। इस दिन व्रत पारण का समय सुबह 05 बजकर 39 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 22 मिनट तक है।

ब्रह्म मुहूर्त : सुबह 04 बजकर 32 मिनट से 04 बजकर 16 मिनट तक
अभिजीत मुहूर्त- दोपहर 12 बजकर 06 मिनट से 12 बजकर 58 मिनट तक
विजय मुहूर्त- दोपहर 02 बजकर 43 मिनट से 03 बजकर 35 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त- शाम 07 बजकर 04 मिनट से 07 बजकर 26 मिनट तक
अमृत काल- सुबह 11 बजकर 11 मिनट 12 बजकर 59 मिनट तक

क्यों खास है यह एकादशी?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसी अवधि को चातुर्मास कहा जाता है।
मान्यता है कि इस दौरान किए गए जप, तप, दान और भगवान विष्णु की आराधना का विशेष फल मिलता है।
चार महीने बाद देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु के जागरण के साथ मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है।

नहाते समय सबसे पहले किस अंग पर डालना चाहिए पानी?

नहाना हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि नहाने का सही तरीका भी आपकी सेहत को प्रभावित कर सकता है? आयुर्वेद में शरीर की देखभाल से जुड़ी कई ऐसी बातें बताई गई हैं, जिनमें नहाने की सही प्रक्रिया का भी जिक्र मिलता है।कई लोग सुबह उठते ही सीधे सिर पर पानी डालकर नहाना शुरू कर देते हैं, लेकिन आयुर्वेद के अनुसार शरीर के तापमान और रक्त संचार को ध्यान में रखते हुए नहाने का एक सही क्रम माना जाता है। मान्यता है कि अचानक सिर पर ठंडा पानी डालने से शरीर पर असर पड़ सकता है, खासकर उन लोगों में जिन्हें सर्दी, सिरदर्द या ब्लड प्रेशर जैसी समस्या रहती है। हालांकि, हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार आदतों में बदलाव जरूरी हो सकता है। आइए जानते हैं आयुर्वेद के अनुसार नहाने का सही तरीका और किस अंग पर सबसे पहले पानी डालना चाहिए।

1. सबसे पहले पैरों पर पानी डालने की सलाह

आयुर्वेदिक परंपरा के अनुसार नहाते समय शुरुआत पैरों से करना बेहतर माना जाता है। इसके पीछे तर्क यह है कि पैरों से पानी डालने पर शरीर धीरे-धीरे पानी के तापमान के अनुसार खुद को एडजस्ट करता है।पैरों से पानी डालने के बाद धीरे-धीरे हाथ, शरीर और फिर सिर पर पानी डालना शरीर के लिए आरामदायक माना जाता है।

2. सीधे सिर पर पानी डालने से क्यों बचने की सलाह दी जाती है?

कई लोग नहाते समय सबसे पहले सिर पर पानी डालते हैं, लेकिन आयुर्वेद में इसे सही तरीका नहीं माना जाता। अचानक सिर पर ठंडा पानी पड़ने से कुछ लोगों को सिरदर्द, चक्कर या असहज महसूस हो सकता है। खासकर ठंडे मौसम में या जिन लोगों को माइग्रेन, साइनस या ब्लड प्रेशर की समस्या रहती है, उन्हें सावधानी बरतनी चाहिए।

3. शरीर के तापमान को संतुलित रखने में मदद

पैरों से नहाने की शुरुआत करने से शरीर को धीरे-धीरे पानी के तापमान के साथ तालमेल बैठाने का समय मिलता है। इससे अचानक तापमान में बदलाव से होने वाली परेशानी को कम किया जा सकता है।

आयुर्वेद में सुबह का समय शरीर और मन को तरोताजा करने के लिए अच्छा माना गया है। बहुत ज्यादा गर्म पानी त्वचा की प्राकृतिक नमी को कम कर सकता है, वहीं बहुत ठंडा पानी हर व्यक्ति के लिए सही नहीं होता। मौसम और शरीर की जरूरत के अनुसार पानी का तापमान चुनना चाहिए।

चातुर्मास में बदल जाते हैं लड्डू गोपाल की सेवा के नियम

हिंदू धर्म में चातुर्मास को भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की भक्ति का खास समय माना जाता है। इस दौरान वर्षा ऋतु की नमी और उमस से मौसम का बुरा हाल होता है। ऐसे में घर में विराजमान लड्डू गोपाल की सेवा भी मौसम के अनुसार बदल जाती है। बाल स्वरूप भगवान की देखभाल में स्नान, वस्त्र, भोग, विश्राम और भक्ति सब कुछ सावधानी से किया जाता है। इससे ना सिर्फ उनकी कृपा बनी रहती है, बल्कि भक्त का मन भी शांत रहता है।

चातुर्मास में लड्डू गोपाल की सेवा

चातुर्मास वर्षा ऋतु में आता है, जब हवा में नमी ज्यादा होती है। ऐसे मौसम में लड्डू गोपाल को ठंड लगने या असुविधा होने की आशंका रहती है। इसलिए उनकी सेवा को मौसम के हिसाब से ढालना जरूरी हो जाता है। इस समय उनकी सेवा में सावधानी, प्रेम और शुद्धता का खास ध्यान रखना चाहिए।

स्नान और वस्त्र बदलाव के नियम

बारिश के मौसम में लड्डू गोपाल को बहुत ठंडे पानी से स्नान नहीं कराना चाहिए। हल्के गुनगुने या सामान्य पानी से स्नान कराना ज्यादा उचित होता है। स्नान के बाद उन्हें अच्छी तरह से सुखाकर मुलायम सूती कपड़े पहनाएं। भारी या मोटे वस्त्रों की जगह हल्के और हवादार कपड़ों का इस्तेमाल करें। लड्डू गोपाल के रोजाना वस्त्र बदलना शुभ माना जाता है। मुकुट, बांसुरी और छोटे आभूषण भी साफ और सूखे रखें ताकि नमी से बच सकें।

भोग में रखें ताजगी और सात्विकता

चातुर्मास में लड्डू गोपाल को ताजा और सात्विक भोग लगाना चाहिए। माखन-मिश्री, ताजे मौसमी फल, दूध, दही, खीर, पंजीरी और पंचामृत उनके पसंदीदा भोग हैं। भोग हमेशा ताजा बनाएं और शुद्धता का विशेष ध्यान रखें। तुलसी दल जरूर अर्पित करें, क्योंकि बाल गोपाल को तुलसी बहुत प्रिय है। इस मौसम में भोजन हल्का और आसानी से पचने वाला होना चाहिए। प्रेम से भोग लगाने पर उनकी कृपा जल्दी प्राप्त होती है।

शयन और विश्राम की व्यवस्था

चातुर्मास में लड्डू गोपाल के विश्राम का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए। दोपहर में कुछ देर आराम कराना और रात में हल्के वस्त्र पहनाकर शयन कराना शुभ माना जाता है। उनका शयन स्थल हमेशा साफ, सूखा और हवादार रखें। उमस वाले मौसम में पूजा स्थान पर मध्यम हवा की व्यवस्था बनाए रखने से उन्हें आराम मिलता है।

मंत्र जाप और नित्य भक्ति

चातुर्मास भक्ति और जप का विशेष समय है। प्रतिदिन लड्डू गोपाल के सामने बैठकर उनका ध्यान करें और मंत्र जाप करें। 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' और 'हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे' का जाप इस दौरान विशेष फलदायी होता है। इस समय भजन-कीर्तन करने और सात्विक जीवन जीने से मन की शांति बढ़ती है और भगवान की कृपा आसानी से प्राप्त होती है। चातुर्मास में लड्डू गोपाल की सेवा सिर्फ नियम नहीं, बल्कि प्रेम का रूप है।

आज का राशिफल

मेष राशि - दोस्तों का साथ मिलेगा। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरों पर खुशी ला सकता है। आज आप अपनों के बीच खुशियां बांटेंगे। यात्रा लाभकारी रहेगी। शिक्षा से जुड़े लोगों को अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। धन लाभ की संभावना है। व्यावसायिक रूप से स्थिति अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि - आपको अपनी फीलिंग्स पर कंट्रोल रखना होगा। आर्थिक रूप से आप परेशानी का सामना कर सकते हैं। रोमांस के लिहाज से दिन अच्छा रहने वाला है। सेहत में सुधार होगा। व्यापारिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मानसिक शांति देगा और स्वास्थ्य भी अनुकूल बना रहेगा।

मिथुन राशि - आपको अपनी सभी परेशानियों का हल मिल सकता है। निवेश फायदेमंद रहेगा। परिवार के सदस्यों पर आपका कंट्रोल रखने वाला स्वभाव बेवजह वाद-विवाद को जन्म देगा। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। मेहनत का पूरा फल मिलेगा। हालांकि कार्यों को करते समय धैर्य से काम लें।

कर्क राशि - आपके जीवन में खुशियों का आगमन होगा। आपके विचारों को सीनियर्स समझेंगे और तारीफ भी करेंगे। ऑफिस में कलीग का सहयोग मिलेगा, जिससे काम जल्दी निपट सकता है। भाग्य का साथ मिलेगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है और बचत करने में सफल हो सकते हैं। हालांकि आज जीवनसाथी के विचारों को नजरअंदाज न करें, वरना अनबन हो सकती है।

सिंह राशि - आप अपने शौक पूरे कर सकते हैं। किसी करीबी की सलाह से आर्थिक लाभ होने की संभावना है। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सुधार होगा। बहुत बड़े निवेश से दूरी बनाए रखें, वरना नुकसान हो सकता है। व्यापारियों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आज आप तरोताजा महसूस कर सकते हैं।आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कन्या राशि - आपको ऑफिस व घर में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। पैसों से जुड़ी परेशानी हो सकती है। आर्थिक रूप से आप खुद को बेहतर करने की कोशिश करेंगे और सफलता भी पाएंगे। व्यापार के लिहाज से दिन अनुकूल है। परिवार के सदस्यों का साथ मिलेगा और वे आपकी बात सुनेंगे।प्रेम संबंधों में विश्वास और समझ मजबूत होगी।

तुला राशि- आप खरीदारी करने के साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं। दिन की शुरुआत ध्यान और योग से करने से आपको लाभ होगा। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन आपको ध्यान रखना होगा कि ज्यादा खर्चा न करें। आज परिवार के साथ समय बिताना जरूरी है। प्रेम जीवन में विश्वास बढ़ेगा और मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि -आपको अपने प्रिय व्यक्ति के साथ समय गुजारना चाहिए। आपके मन में पैसों को जल्दी कमाने का तीव्र इच्छा हो सकती है। मानसिक शांति प्राप्त करेंगे। यात्रा का योग है। व्यावसायिक रूप से आप अच्छे रहेंगे। ऑफिस में अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे।पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है।

धनु राशि-आपको कार्यों में सफलता मिलेगी। ऑफिस में आपके विचारों की तारीफ हो सकती है। व्यक्तित्व में निखार आएगा और मेहनत रंग लाएगी। आप अपना खाली समय धार्मिक कार्यों में बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह के विवादों में न पड़ें।

मकर राशि - आपकी प्रभावशाली लोगों से मुलाकात हो सकती है। जैसा आप चाहेंगे, वैसा पाएंगे। हालांकि आज धन की कमी का अनुभव कर सकते हैं, लेकिन शाम तक स्थितियां आपके अनुकूल हो जाएंगी। ऑफिस में आपको लोगों के साथ गपशप करने से बचना चाहिए, क्योंकि इसमें आपका ज्यादातर समय बर्बाद होता है।

कुंभ राशि- कल का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। किसी को भी धन उधार देने से बचना चाहिए, वरना वापसी में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय गुजारेंगे और आपको सरप्राइज भी मिल सकता है। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि- आपको आराम करने की जरूरत है, वरना थकान महसूस हो सकती है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जरूरत के हिसाब से चीजें जीवन में वस्तुएं उपलब्ध होंगी। सेहत अच्छी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा। धन की स्थिति को लेकर मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

मानसून में ज्वेलरी को कैसे सेफ रखें

बारिश का मौसम जितना ज्यादा सुहावना होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी माना जाता है। इस समय महिलाओं की एक शिकायत रहती है कि उनकी ज्वेलरी की चमक जाने लगती है। दरअसल, मानसून के मौसम में पसीने और हवा में नमी बढ़ जाने से ज्वेलरी की चमक फीकी पड़ सकती है। इस वजह से बारिश के मौसम में सोना, चांदी, हीरा या बाकी ज्वेलरी को खास देखभाल की जरूरत होती है। आपको बता दें कि बारिश के दिनों में थोड़ी ज्यादा सावधानी बरतकर आप अपनी ज्वेलरी की चमक बरकरार रख सकते हैं और लंबे समय तक नए जैसा बनाए रख सकते हैं। आइए जानते हैं इन टिप्स के बारे में...

1. नमी से बचाएं

मानसून के मौसम में ज्वेलरी को नमी से बचाना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आप ज्वेलरी को ऐसी एक्टिविटीज के दौरान न पहनें जब आपको ज्यादा पसीना आता हो। इसके अलावा अगर आपकी ज्वेलरी बारिश में भीग जाती है, तो तुरंत मुलायम कपड़े से अच्छी तरह सुखा लें। साथ ही लॉक्स और छोटी फिटिंग्स को भी सही से चेक करें, क्योंकि नमी के कारण ये हिस्से ढीले पड़ सकते हैं।

2. सफाई का ध्यान रखें

मानसून के दौरान ज्वेलरी पर धूल, पसीना और स्किनकेयर प्रोडक्ट्स जम सकते हैं, जिससे उसकी चमक कम हो सकती है। ऐसे में हर बार पहनने के बाद ज्वेलरी को मुलायम माइक्रोफाइबर कपड़े से साफ करना चाहिए। इसके अलावा समय-समय पर इसे हल्के साबुन के घोल और गुनगुने पानी से भी साफ किया जा सकता है।

3.सही से स्टोर रखें

मानसून के मौसम में नमी का असर मेटल्स और रत्नों दोनों पर पड़ सकता है। इससे बचने के लिए अपनी ज्वेलरी को हमेशा अलग-अलग मुलायम पाउच में रखें। इस तरह की पैकिंग ज्वेलरी को स्क्रैच से बचाती है और नमी की वजह से होने वाले नुकसान का खतरा भी कम करती है। इसके अलावा आप ज्वेलरी बॉक्स में सिलिका जेल के छोटे पैकेट भी रख सकते हैं। इससे अतिरिक्त नमी सोखने में मदद मिलती है।

4.रत्नों को अच्छे से स्टोर करें

मानसून के दौरान रत्नों को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है, क्योंकि ज्यादा नमी इनके पीछे लगी फॉइल या सेटिंग के अंदर पहुंच सकती है। इससे उनकी चमक धुंधली पड़ सकती है। ऐसे में ज्वेलरी को सूखी जगह पर रखें, नमी से बचाएं और पहनने के बाद अच्छी तरह साफ करके सुरक्षित तरीके से स्टोर करें।

5. कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स से बचाएं

परफ्यूम, हेयर स्प्रे, लोशन और मेकअप जैसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स में मौजूद केमिकल्स आपकी ज्वेलरी की नेचुरल चमक को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए तैयार होते समय ज्वेलरी को सबसे आखिर में पहनें।

आपको दिनचर्या में किन आदतों को शामिल करना चाहिए...

वास्तु

वास्तु शास्त्र से हमें न केवल दिशाओं का सही ज्ञान मिलता है बल्कि जीवन को सफल बनाने के नियम भी वास्तु शास्त्र में हैं। वास्तु की मानें तो दिनचर्या में कुछ आदतें शामिल करके आप जीवन में चमत्कारी बदलाव ला सकते हैं। ये आदतें आपको सकारात्मकता ऊर्जा से भर सकती हैं और आप असंभव लक्ष्यों को भी प्राप्त कर सकते हैं। जिस तरह सही दिशा में रखी सही वस्तु आपके घर को सकारात्मक ऊर्जा देती है उसी तरह दिनचर्या में कुछ आदतों को शामिल करने से आप भी पॉजिटिव ऊर्जा से भरे रहते हैं। आइए जान लेते हैं कि आपको दिनचर्या में किन आदतों को शामिल करना चाहिए।

सुबह उठते ही हथेली के दर्शन

सुबह उठते ही आपको सबसे पहले अपनी दोनों हथेलियों के दर्शन करने चाहिए और अच्छे कार्य करने का विचार मन में लाना चाहिए। माना जाता है कि हथेली के दर्शन करने से त्रिदेवों का आशीर्वाद आप पर बरसता है और जीवन में सुखद बदलाव आते हैं।

सूर्य देव को जल करें अर्पित

सुबह के समय सूर्य देव को जल अर्पित करने से आपको आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही कुंडली में सूर्य की स्थिति भी मजबूत होने लगती है और आपको समाज में मान-सम्मान मिलता है। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा न आपके घर में प्रवेश करती है और ना आपके अंदर।

प्राणायाम और योग-ध्यान का अभ्यास

जिस तरह घर को साफ-सुथरा रखने से आपको सुखद अनुभूति होती है वैसे ही योग-ध्यान करने से मन के साथ-साथ आत्मा भी शुद्ध होती है। इसलिए दिन में कुछ समय आपको योग-ध्यान के लिए अवश्य निकालना चाहिए। ध्यान करने से आपको शारीरिक और मानसिक सुधार तो देखने को मिलता ही है साथ ही घर के अंदर ध्यान करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बहती है और वास्तु दोष दूर हो सकता है।

पितरों का स्मरण :

सुबह स्नान ध्यान के बाद आपको पितरों का स्मरण अश्य करना चाहिए। ऐसा करने से पितृ दोष का बुरा प्रभाव आप पर नहीं पड़ता और करियर, पारिवारिक जीवन में बेहद सुखद बदलाव आपको देखने को मिलते हैं। वास्तु के अनुसार पितरों के आशीर्वाद से आपका मान-सम्मान भी बढ़ता है।

बेहद जटिल और गंभीर जोखिम भरे मामलों का सफल इलाज

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई ने 'नवी मुंबई वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट' जारी की है। यह रिपोर्ट अस्पताल के 'डिपार्टमेंट ऑफ लेबोरेटरी मेडिसिन' द्वारा साल भर किए गए एक व्यापक स्वास्थ्य अध्ययन पर आधारित है। अस्पताल की 8वीं वर्षगांठ के खास मौके पर इसे जारी किया गया है। अस्पताल ने नवी मुंबई और इसके आसपास के इलाकों में समर्पित सेवा, नैतिक क्लीनिकल प्रैक्टिस और मरीज़-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा के शानदार 8 साल पूरे किए हैं। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई का कामकाज साल 2018 में शुरू हुआ। तब से लेकर आज तक यह अस्पताल बेहतरीन टेक्नोलॉजी, एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम और शानदार सेवाओं के तालमेल से मरीज़ों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं देने के अपने वादे पर अडिग रहा है। पिछले आठ वर्षों में, अस्पताल ने हृदय रोग (कार्डियोलॉजी), कैंसर (ऑन्कोलॉजी), नसों और मस्तिष्क के रोग (न्यूरोसाइंसेस), हड्डियों के रोग (ऑर्थोपेडिक्स), किडनी रोग (रीनल साइंसेस) और अंग प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) जैसे विभागों में अपने 'सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस' को और मज़बूत व व्यापक बनाया है। इस दौरान अस्पताल ने नवी मुंबई और आसपड़ोस के इलाकों से आने वाले मरीज़ों के बेहद जटिल और गंभीर जोखिम भरे मामलों का सफलतापूर्वक इलाज किया है।' नवी मुंबई वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट' डेटा पर आधारित है। इसका उद्देश्य इस क्षेत्र के लोगों की सेहत का सही हाल बताना है, ताकि डॉक्टर, स्थानीय निवासी और कामकाजी लोग पहले से ही अपनी सेहत पर नजर रख सकें और उसे बेहतर बना सकें। यह रिपोर्ट अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच किए गए 32,253 'एग्जीक्यूटिव हेल्थ चेकअप' के दौरान की गई 100,986 लैब जांचों के गोपनीय डेटा पर आधारित है। इस ग्रुप में 13,901 महिलाएं और 18,352 पुरुष शामिल थे, जिनकी औसत उम्र 44.8 वर्ष है—यानी इनमें मुख्य रूप से कामकाजी पेशेवर शामिल हैं।कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डॉ. शशिकांत पवार ने कहा, "इन आठ सालों में हमारा अस्पताल नवी मुंबई और आसपास के क्षेत्रों के लोगों की सेवा में निरंतर और ज़िम्मेदारी से आगे बढ़ता रहा है। हमारा पूरा ध्यान अनुभवी फुल-टाइम एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम, नैतिक व प्रमाण-आधारित चिकित्सा पद्धतियों और मरीज़ों की ज़रूरतों को केंद्र में रखकर की जाने वाली आधुनिक देखभाल पर रहा है। हम नवी मुंबई में अत्याधुनिक मेडिकल टेक्नोलॉजी लाने के लिए भी प्रतिबद्ध रहे हैं, ताकि मरीज़ों को अपने घर के पास ही विश्वस्तरीय जांच और इलाज की सुविधाएं मिल सकें। बीमारी के इलाज के साथ-साथ, शुरूआती चरण में ही बचाव और बीमार न हो इसके लिए स्वास्थ्य की देखभाल पर हम काफी ज़ोर देते हैं। हम समय पर बीमारी की पहचान, सही डायग्नोसिस और उचित इलाज को बढ़ावा देते हैं, ताकि आम लोगों और पूरे समाज की सेहत को लंबे समय तक बेहतर बनाए रखा जा सके।' नवी मुंबई वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट' हमारी इसी प्रतिबद्धता को दर्शाती है और अब यह हर साल जारी की जाएगी। हम उच्चतम स्तर की क्लिनिकल उत्कृष्टता और मरीज़-देखभाल के मानकों को बनाए रखते हुए, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा बढ़ाने के लिए हमेशा समर्पित हैं। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई में लेबोरेटरी मेडिसिन की डायरेक्टर और माइक्रोबायोलॉजी व इन्फेक्शन प्रिवेंशन की कंसल्टेंट डॉ. पूनम गुप्ता ने इस रिपोर्ट के निष्कर्षों को प्रस्तुत किया। इनमें एक सोच में डालने वाली बात सामने आई है। ये नतीजे बताते हैं कि लोगों में कार्डियोमेटाबॉलिक यानी दिल और मेटाबॉलिज्म से जुड़े और न्यूट्रिशनल यानी पोषण संबंधी कमियों के कई ऐसे छिपे हुए खतरे मौजूद हैं, जो बेहद आम हैं, लेकिन अक्सर उनके कोई लक्षण दिखाई नहीं देते। इसी वजह से समय रहते इनकी पहचान और सही इलाज नहीं हो पाता। जांच में शामिल लोगों में विटामिन डी की कमी सबसे बड़े खतरे के रूप में सामने आई है। चेकअप कराने वाले 75% से भी अधिक लोगों में विटामिन डी का स्तर सामान्य से कम पाया गया। विटामिन बी12 की कमी का बढ़ता ट्रेंड भी दिखाई दिया।

आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाना ही पुनर्वास का उद्देश्य- जेजेबी प्रधान मजिस्ट्रेट भगवान दास पनिका

विधि से संघर्षरत बच्चों के बेहतर पुनर्वास एवं संरक्षण के लिए कार्ययोजना तैयार करने जिला स्तरीय अभिसरण की बैठक सम्पन्न

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में विधि से संघर्षरत बच्चों के बेहतर पुनर्वास एवं संरक्षण के लिए संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने हेतु जिला स्तरीय अभिसरण की बैठक आज पीडब्ल्यूडी सभागार में आयोजित की गई। जिले में विधि से संघर्षरत बच्चों के बेहतर पुनर्वास एवं संरक्षण के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करने, वर्तमान कमियों एवं सहयोग की संभावनाओं की पहचान करने, बच्चों एवं उनके परिवारों को समयबद्ध, समग्र एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया है। बैठक में जेजेबी के प्रधान मजिस्ट्रेट भगवान दास पनिका ने कहा कि बच्चों के समग्र संरक्षण और पुर्वास के लिए सभी विभागों एवं संस्थाओं के बीच निरंतर सहयोग, समन्वय और साझेदारी आवश्यक है। उन्होंने सभी हितधारकों से बाल-अनुकूल, संवेदनशील और सशक्त संरक्षण तंत्र विकसित करने के लिए मिलकर कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने बच्चों के लिए बनाए गए कानूनी अधिनियम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विधि से संघर्षरत बच्चों का पुनर्वास केवल कानूनी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व भी है। विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव उमेश कुमार भगवतकार ने कहा कि विधि से संघर्षरत बच्चों के बेहतर पुनर्वास, संरक्षण एवं उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संबंधित विभागों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि ऐसे बच्चों के साथ दंडात्मक नहीं, बल्कि सुधारात्मक और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया जाए, ताकि वे शिक्षा, परामर्श और कौशल विकास के माध्यम से समाज की मुख्यधारा से जुड़कर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें। सीएसजी सीनियर डायरेक्टर उर्वशी तिलक ने बैठक में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, मानसिक एवं सामाजिक परामर्श, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा पुनर्वास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने प्रत्येक बच्चे की परिस्थितियों के अनुरूप पुनर्वास की कार्ययोजना तैयार कर उसे समयबद्ध तरीके से लागू करने की बात कही। इस दौरान विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, बाल संरक्षण से जुड़े प्रावधानों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने तथा बच्चों को सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। सीएसजी सीनियर डायरेक्टर उर्वशी तिलक ने बताया कि यह पहल वर्तमान में छत्तीसगढ़ के तीन जिलों–रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में प्रारंभ की गई है। इन जिलों का चयन इसलिए किया गया है क्योंकि यहां बाल अपराध के मामले अपेक्षाकृत अधिक दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बैठक के दौरान तीनों जिलों में दर्ज बाल अपराध के आंकड़ों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि इन आंकड़ों के आधार पर पुनर्वास और संरक्षण की कार्ययोजना को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। बैठक में पुलिस विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, सामाजिक संस्थाएं एवं सीएसआर के प्रतिनिधि, जिला महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी श्री आर.के. जाम्बुलकर, परियोजना समन्वयक श्री चंद्रप्रकाश पटेल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

अवैध प्लाटिंग का बेखौफकारोबार : सरकारी नाले पर कब्जा कर पहाड़ काटकर बना दी रोड, हुई कार्रवाई

सोमनी से लगे झुराडबरी में राजस्व विभाग ने बरती सख्ती, चलाया बुलडोजर

राजनांदगांव। मनगटा से लगे झुराबरी एरिया में एक बार फिर जिला प्रशासन की टीम ने गुरूवार को कार्रवाई कर सरकारी बुलडोजर चलाया। यहां अवैध प्लाटिंग की गई और उसका रास्ता पहाड़ काटकर बनाया गया। इस मामले को राजस्व विभाग ने संज्ञान में लिया और कार्रवाई की। इससे पहले ही इसी क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई की जा चुकी है। इस क्षेत्र में भू-माफियाओं ने जमकर अवैध कारोबार किया है, जिस पर अब सख्ती बरती जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार शासकीय भूमि खसरा नंबर 672 (पहाड़/चट्टान, रकबा 13.354 हे. / 32.9723 एकड़) पर स्थित पहाड़ को काटकर अवैध प्लाटिंग की नीयत से कच्चा रास्ता बनाया गया था। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर SDM गौतम पाटिल के नेतृत्व में राजस्व टीम ने बनाए गए कच्चे रास्ते को ध्वस्त कर अतिक्रमण मुक्त कराया। साथ ही खसरा नंबर 563/1, 563/2 एवं 563/3 के सामने शासकीय नाले को पाटकर जबरन रास्ता तैयार कर लिया गया था। जेसीबी चलाई और नाला को मूल रूप दिया गयाप्रशासनिक टीम ने जेसीबी की मदद से रास्ते को हटाकर नाले को फिर से मूल स्वरूप में बहाल कराया और शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया। कार्रवाई के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासकीय भूमि या सार्वजनिक उपयोग की जगहों (नाला, पहाड़, चरनोई आदि) पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या प्लॉटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बड़े पैमाने पर इस इलाके में अवैध प्लाटिंग -मनगटा, झुराडबरी और बघेरा से लगे हिस्से में बड़े पैमाने पर अवैध प्लाटिंग की गई। इसमें राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई के भू-माफियाओं ने अवैध कारोबार किया। प्लाटों को काटकर बेचकर करोड़ों रुपए की कमाई की। इसके बाद अब जिला प्रशासन यहां कार्रवाई कर रहा है। अभी भी यहां 100 एकड़ से अधिक एरिया में अवैध प्लाटिंग की जा चुकी है।

घुमंतू मवेशियों की समस्या बरकरार, जिम्मेदारी तय करने की उठी मांग, कौन है जिम्मेदार आप या सरकार

अम्लेश्वर/ पाटन। दुर्ग जिला अंतर्गत पाटन क्षेत्र में घुमंतू मवेशियों की समस्या जस की तस बनी हुई है। मोतीपुर चौक स्थित मुख्य मार्ग पर लगातार बारिश के बीच भी कई मवेशी खुले में खड़े रहने को मजबूर दिखाई दिए, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन बेजुबान पशुओं की देखरेख और सुरक्षित आश्रय की जिम्मेदारी आखिर किसकी है। सवाल उठ रहा है कि इन मवेशियों का मालिक कौन है और इनके लिए स्थायी व्यवस्था कब की जाएगी। बरसात के मौसम में खुले में रहने से पशुओं के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि घुमंतू मवेशियों के लिए शीघ्र गौठान या अन्य सुरक्षित आश्रय की व्यवस्था की जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम हो तथा इन बेजुबान पशुओं को भी सुरक्षित ठिकाना मिल सके। साथ ही पशुपालकों की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई गई।

ई-ऑफिस से लेकर सड़क, स्ट्रीट लाइट, प्रधानमंत्री आवास और जल संरक्षण तक कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने आयुक्त ने दिए निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने गुरुवार को निगम के विभिन्न विकास, निर्माण, सौंदर्यीकरण एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निगम मुख्य कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यालय सहित सभी जोन कार्यालयों के अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त ने बैठक में निगम के कार्यों को गति देने के साथ-साथ नागरिकों से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए सभी कार्य निर्धारित समय.सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में आयुक्त ने सबसे पहले निगम की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली को प्राथमिकता से लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शत प्रतिशत नस्तियों को डिजिटल सिग्नेचर के साथ ई-ऑफिस के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए, ताकि शासकीय कार्यों में तेजी आए और फाइलों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो। आयुक्त ने सभी जोन आयुक्त एवं संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों का प्रतिदिन भ्रमण कर जमीनी स्थिति का जायजा लेने तथा क्षेत्र में पाई जाने वाली समस्याओं और कमियों की तत्काल जानकारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान कार्यालय स्तर पर ही नहीं, बल्कि मौके पर पहुंचकर भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करने तथा शिकायतों के लंबित रहने की स्थिति को गंभीरता से लेने के निर्देश भी दिए गए।आयुक्त ने लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं की उपस्थिति में नंदिनी रोड से अर्वति बाई चौक तक लगभग 5 किलोमीटर सड़क निर्माण के सम्बन्ध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इसके साथ ही मुख्य मार्गों की सड़कों पर हुए गड्ढों को तत्काल भरने और आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए गए, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए मकानविहीन परिवारों को योजना का लाभ समय पर दिलाने के लिए निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को आवास का लाभ जल्द से जल्द मिलना चाहिए और निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। शहर की प्रकाश व्यवस्था को लेकर आयुक्त ने अधिकारियों को प्रमुख मार्गों पर बंद स्ट्रीट लाइटों का तत्काल संधारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एलईडी लाइट की सप्लाई एवं रिपेयरिंग का कार्य व्यवस्थित रूप से कराने तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर हाईमास्ट लाइट लगाने की दिशा में कार्यवाही करने को कहा, जिससे रात्रि के समय शहर में अंधेरा समाप्त हो और नागरिकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। बैठक में डॉग हाउस एवं एमआरएफ प्लांट से संबंधित कार्यों को समय पर पूर्ण कर प्रारंभ कराने के निर्देश भी दिए गए। वहीं अनुष्ठ रेसिडेंसी क्षेत्र में सड़क एवं नाली निर्माण के लिए उपलब्ध आवास शुल्क का उचित उपयोग करने के निर्देश दिए गए। शासन द्वारा सौंपे गए पट्टा सर्वे कार्य की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने इसे निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य पूर्ण होने से पात्र नागरिकों को शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में आसानी होगी। आयुक्त ने जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए शहर में अधिक से अधिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित कराने के लिए नागरिकों एवं व्यापारियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षाजल का संरक्षण भविष्य की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। निगम क्षेत्र में जल संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के साथ भवन एवं भूमि मालिकों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए प्रेरित किया जाए। नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुक्त ने बोरवेल का परीक्षण कराने के निर्देश दिए।

महापौर ने नाली निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता एवं जल निकासी से समझौता नहीं होगा

डीपीआर के अनुरूप निर्माण, बेहतर ढाल और समयबद्ध कार्य पूर्ण करने पर महापौर का जोर

वॉटर फ्लो टेस्ट के बाद ही बनेगा देयक, अधिकारियों को दिए सख्त तकनीकी निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत महापौर अलका बाघमार ने आज वार्ड क्रमांक 23 दीपक नगर, मालवीय नगर तथा वार्ड क्रमांक 16 सिकोला भाठा क्षेत्र में निर्माणाधीन नाली कार्यों का स्थल निरीक्षण कर गुणवत्ता, तकनीकी मानकों एवं जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान लोक कर्म विभाग के प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य निलेश अग्रवाल, पार्षद मनोज सोनी, उप अभियंता पंकज साहू, सिद्धार्थ साहू, उप अभियंता अपर्णा मिश्रा सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी नाली निर्माण कार्य स्वीकृत डीपीआर, स्वीकृत ड्राइंग एवं निर्धारित तकनीकी विनिर्देशों के अनुरूप ही किए जाएं। उन्होंने कहा कि नालियों में निर्धारित डिज़ाइन के अनुसार पर्याप्त एवं समान ढाल (ग्रेडिएंट) सुनिश्चित की जाए, ताकि वर्षा एवं अपशिष्ट जल का निर्बाध प्रवाह बना रहे और कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। महापौर ने कहा कि निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पहले प्रारंभिक एवं अंतिम लेवल का परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। निर्माण में उपयोग होने वाली सीमेंट, गिट्टी, रेत सहित सभी सामग्री निर्धारित गुणवत्ता एवं मानकों के अनुरूप हो तथा नाली के जॉइंट्स, फिनिशिंग एवं सतह को मजबूत एवं समतल बनाया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के दौरान सड़क, पेयजल पाइपलाइन, विद्युत पोल एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे तथा निकलने वाले मलबे का नियमित निष्पादन कर आवागमन सुचारु बनाए रखा जाए। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, लेकिन गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि कार्य पूर्ण होने के बाद नाली में पानी प्रवाहित कर वॉटर फ्लो टेस्ट कराया जाए। परीक्षण में ढाल एवं जल निकासी संतोषजनक पाए जाने के बाद ही संबंधित कार्य का देयक तैयार किया जाए। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगरवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नाली निर्माण कार्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका उद्देश्य वर्षों तक सुचारु जल निकासी सुनिश्चित करना है। गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जाएगी। लोक कर्म विभाग के प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि नगर निगम द्वारा सभी निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों को तकनीकी मानकों का पूर्ण पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी विकास कार्य पूर्ण कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।जन संपर्क/राजू बक्शी

दहेज मुक्त भारत की दिशा में एक सकारात्मक पहल कुम्हारी में संपन्न हुआ आदर्श विवाह

कुम्हारी। समाज से दहेज प्रथा, नशा और दिखावे जैसी कुरीतियों को जड़ से खत्म करने के उद्देश्य से समीपस्थ ग्राम खपरी में एक सादगीपूर्ण और दहेज मुक्त विवाह (रमैनी) का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन संत रामपाल महाराज के सान्निध्य में आयोजित यह विवाह समाज के लिए एक बेहतरीन मिसाल पेश करता है। इस विवाह में वर अजय दास पिता किसुन (ग्राम धरनी) और वधु नेहा दासी पिता जीवन दास (ग्राम सांकरा) प्रणय सूत्र में बंधे।

इस विवाह की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें न कोई दहेज लिया गया, न कोई फिजूलखर्ची हुई और ना ही किसी प्रकार का दिखावा किया गया दोनों परिवारों ने अत्यंत सादगी के साथ इस नए रिश्ते की शुरुआत की। इस अवसर पर संत रामपाल महाराज द्वारा समाज हेतु 'अन्नपूर्णा मुहिम' के तहत किए जा रहे सराहनीय कार्यों को भी याद किया गया। इस सादगीपूर्ण विवाह में दुर्ग जिले के कई पदाधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं जिला संयोजक खेमेंद्र दास ब्लॉक संयोजक देवेंद्र दास, मोहन दास, धनसिंह दास शैलेश दास सहित गांव के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस आयोजन में उपस्थित लोगों ने बताया कि इस तरह के आयोजनों के माध्यम से समाज में जो सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश दिया है उन्होंने कहा कि दहेज मुक्त भारत जरूरी है विवाह को व्यापार न मानकर दो परिवारों का पवित्र मिलन मानना चाहिए जिससे बेटियों के माता-पिता पर आर्थिक बोझ न पड़े। इसके अलावा नशा मुक्त भारत समाज को नशे जैसी जानलेवा और घर बर्बाद करने वाली आदतों से दूर रहना चाहिए भ्रष्टाचार एवं पाखंड मुक्त समाज एक स्वच्छ, पारदर्शी और आडंबर रहित सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करना चाहिए साथ ही मानव कल्याण और लोगों को सही दिशा दिखाना और मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्यों के प्रति जागरूक करना होना चाहिए।

निर्माण कार्यों को क्वालिटी के साथ पूरा करने कहा, समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

महापौर-आयुक्त पहुंचे यातायात नगर, प्रीमियम जमा करने और एग्रीमेंट कराने नोटिस जारी करने निर्देश

कई भूखंडों का अनुबंध अब तक नहीं हो पाया, इसलिए कार्रवाई जरूरी

राजनांदगांव। यातायात नगर में चल रहे निर्माण कार्यों का गुरूवार को महापौर मधुसूदन यादन ने किया। कार्य में तेजी लागर गुणवत्ता के साथ समय सीमा में काम पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। साथ ही उन्होंने यातायात नगर के शेष भूखण्डों का प्रीमियम निर्धारण करने कहा। महापौर ने राजस्व अधिकारी से कहा कि यातायात नगर के आबंटित भूखण्डों के आबंटितियों को शेष प्रीमियम राशि जमा करने तथा मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजनांतर्गत निर्मित दुकानो के आबंटितियो को अनुबंध करा किराया जमा करने नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही उद्यान में सभी आवश्यक सुविधाओं का समावेश हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होने कहा कि यातायात नगर पुराना होने के साथ साथ जर्जर स्थिति में आ गया है, जिसके जीर्णोद्धार के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था शासन ने बजट प्रावधान किया और नगरीय प्रशासन विभाग की स्वीकृति अनुसार यातायात नगर का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। यातायात नगर में रोड, नाली, पार्किंग स्थल मरम्मत कर डामरीकरण किया जायेगा। स्ट्रीट लाइट मरम्मत कर हाईमास्क लाइट लगायी जायेगी। सामुदायिक भवन, शौचालय की सुविधा के अलावा पानी की समुचित व्यवस्था की जावेगी। महापौर ने कहा कि प्रवेश द्वार के आगमन एवं निर्गमन में गार्ड रूप का निर्माण कराना है, जल भराव स्थल का भरान कर पेवर ब्लाक लगाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजनांतर्गत निर्मित दुकनों के पास सीमेंटिकरण कर डिवाईडर एवं रोड साईड रंगाई पोताई करना है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप यातायात नगर को दुरूस्त कर विकसित करना है। महापौर ने रोड मरम्मत कार्य जल्द प्रारंभ कर निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा मजदूरो की संख्या बढ़ाकर कार्य में तेजी लाने कहा।

जीर्णोद्धार का काम चरणबद्ध तरीके से करें

उन्होंने व्यावासायिक परिसर निर्माण, धर्मकाटा, कोल्ड स्टोरेज, पेट्रोल पंप आदि निर्माण के लिए स्थल निरीक्षण कर उक्त निर्माण कार्य के लिए ले-आउट करने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदार से भी काम मे तेजी लाने तथा समय सीमा में कार्य पूर्णता के लिए हर संभव प्रयास करने कहा। आयुक्त मरकाम ने कहा कि यातायात नगर जीर्णोद्धार कार्य में सभी कार्य चरणबद्ध रूप से किया जाए। निर्माण में गति लाकर गुणवत्ता एवं समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए, उन्होने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य की सतत मानिटरिंग कर प्रतिमाह समीक्षा करे और उपयोगिता प्रमाण पत्र भेजना सुनिश्चित करे।

शिवपुरी गार्डन का होगा कायाकल्प, नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने किया स्थल पूजन

दुर्ग । नगर पालिका परिषद जामुल द्वारा नगर के प्रमुख उद्यान शिवपुरी गार्डन के उन्नयन कार्य का शुभारंभ स्थल पूजन के साथ किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर, वार्ड पार्षद तिलेश्वर देवांगन एवं चुम्मन वर्मा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कार्य का शुभारंभ किया। नपा अध्यक्ष ठाकुर ने कहा कि गार्डन के उन्नयन के बाद नगरवासियों को स्वच्छ, सुंदर और प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने की बेहतर सुविधा मिलेगी। बच्चों के लिए खेल क्षेत्र, हरित परिसर, वॉकिंग पाथ, आकर्षक लाइटिंग, बैठने की व्यवस्था एवं पौधरोपण जैसे कार्य किए जाएंगे, जिससे शिवपुरी गार्डन नगर का प्रमुख आकर्षण बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करते हुए कार्य शीघ्र प्रारंभ कर समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com